अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000 | लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com | जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित | डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, रविवार, 23 जुलाई 2023 | वर्ष : 13 | अंक : 329 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

आरपीएससी भंग नहीं हो सकता, बीजेपीवालों को अक्ल नहीं :गहलोत

मार्केटिंग में पीएम मोदी का मुकाबला नहीं; मणिपुर से देश शर्मिंदा, जवाब देना होगा

चमकता राजस्थान, जयपुर। सीएम अशोक गहलोत ने मणिपुर की घटना को लेकर भी केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर निशाना साधा है। कहा- मणिपुर में जिस तरह महिलाओं का अपमान हुआ, उससे पूरे देश की विश्व में बेइज्जती हुई है। 77 दिन हो गए, पीएम ने एक शब्द नहीं बोला। जैसे ही सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया,फिर बोले। गहलोत जयपुर में शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- पीएम कह रहे हैं कि मणिपुर, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कानून-व्यवस्था पर ध्यान रखें, बताइए कहां मणिपुर और कहां राजस्थान। पीएम ने राजस्थान के स्वाभिमान के साथ चोट की है। पीएम कहते हैं 140 करोड़ जनता को शर्मसार होना पड़ रहा है। 140 करोड़ जनता शर्मिंदा नहीं है, वह तो दुखी है, आपकी सरकार के कारनामों से, आपकी लापरवाही से। एक बार गृहमंत्री जाकर आ गए और इतिश्री कर ली।

मणिपुर में कांग्रेस सरकार होती तो क्या होता? : - पीएम ने चंद सेकेंड में औपचारिकता करके बात को खत्म कर दिया। आप कम से कम मीटिंग करते। वहां स्थिति कंट्रोल कैसे होगी। आप कर्नाटक घूम रहे हो। राजस्थान घूम रहे हो, छत्तीसगढ़ घूम रहे हो । चुनाव के अंदर ऐसा मैंने पहली बार देखा है। मणिपुर में उनकी सरकार है। वहां अगर कांग्रेस सरकार होती तो आप कल्पना कीजिए क्या-क्या बोलते? वहां हालात को कंट्रोल करने की जगह गृह मंत्री चुनावी राज्यों में घूमते रहे। अगर एक राज्य में आग लग रही हो और आप कुछ नहीं कर रहे हैं। केंद्र सरकार विफल रही। मुझे अफसोस है, मणिपुर जल रहा है, वहां हजारों लोग मारे गए हैं। फिर भी पीएम ने कुछ नहीं किया।

बीजेपी को नहीं सहेगी जनता, क्योंकि उन्होंने निकम्मापन दिखाया है : गहलोत ने बीजेपी के %नहीं सहेगा राजस्थान% अभियान पर निशाना साधा। कहा- बीजेपी के %नहीं सहेगा राजस्थान% अभियान में कोई सच्चाई नहीं है। जनता बीजेपी को नहीं सहगी, क्योंकि जिस तरह से पिछले साढ़े 4 साल में निकम्मापन दिखाया है, उसकी वजह से आपको जनता नहीं सहेगी। मार्केटिंग में पीएम का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। मार्केटिंग की वजह से ही उनका मामला चल रहा है। मोदी सीकर में पूरे देश भर के किसानों को डीबीटी करेंगे। राजस्थान में वे छठी बार आ रहे हैं।

बीजेपी ने राजस्थान सरकार पर बौखलाकर धावा बोला है : गहलोत ने कहा- बीजेपी वालों के पास कहने के लिए कुछ नहीं है। केवल रटी-रटाई बातें बोलते हैं। हर राज्य में विपक्ष बोलता है कि भ्रष्टाचार बढ़ गया है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं। इस तरह की रटी-रटाई बातें वो रहे हैं। बीजेपी वालों ने राजस्थान सरकार पर धावा बोला है । उनके पास कहने को कुछ नहीं है। यहां के नेताओं को प्रधानमंत्री और अमित शाह को जवाब देना पड़ता है कि सरकार के खिलाफ इश्यू क्यों नहीं बनाया? विपक्ष की वह बातें बार-बार बोल रहे हैं, उसका असर जनता में कोई नहीं पड़ रहा है। कितने ही झूठ बोलो, लेकिन बीजेपी का जनता में असर नहीं है।

एफआईआर अनिवार्य करने से अपराध के बढ़े आंकड़ों का दुरुपयोग कर रही है बीजेपी : सीएम ने कहा- एनसीआरबी के आंकड़े भी बीजेपी वाले झूठ बताते हैं। अनिवार्य एफआईआर करने से अपराध के बढ़े हुए आंकड़ों का बीजेपी दुरुपयोग कर रही है। सरकार के खिलाफ गलत माहौल बना रही है। ओवरऑल राजस्थान की स्थिति अच्छी है। हमने अनिवार्य एफआईआर का उसका इंपेक्ट पूरे देश के अंदर है। अनिवार्य एफआईआर होने से संख्या बढ़ी है। उन आंकड़ों का दुरुपयोग कर रहे हैं। एफआईआर नहीं करने पर थानेदार के खिलाफ कार्रवाई करने का प्रावधान कर दिया। हमारे नवाचारों की वजह से तफ्तीश का टाइम कम हो गया। बीजेपी के लोग सरकार को झूठा बदनाम करने के लिए रोज मीडिया से बात करते हैं और उसी रूप में जनता को गुमराह करने का अभियान चला रखा है।

हमारी योजनाओं से घबरा गई बीजेपी : गहलोत ने कहा-हमारी योजनाओं और फैसलों से घबरा कर बीजेपी के लोगों ने तय किया कि सरकार को किस तरह से बदनाम किया जाए। जिस तरह का राजस्थान में माहौल बनाया, उससे घबरा कर बौखला गए हैं। इनके पास पूरी कैबिनेट है, प्रधानमंत्री हैं। रक्षा मंत्री आ गए हैं, प्रधानमंत्री छठी बार आ रहे हैं सीकर में।

राजस्थान मिनिमम गारंटी योजना लागू करने वाला पहला राज्य : सीएम ने कहा- राजस्थान मिनिमम गारंटी योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। कल ही हमने विधानसभा में बिल पास किया है। देश के बुजुर्ग,असहाय सहित आम आदमी को एक मिनिमम आय की गारंटी होनी चाहिए। यह एक्ट पूरे देश में लागू होना चाहिए। पीएम मोदी को मैंने लेटर भी लिखा था कि वे सोशल सिक्योरिटी एक्ट लागू करें।

हमारी सरकार बनने पर सोशल सिक्योरिटी योजनाओं को और आगे बढ़ाएंगे : गहलोत ने कहा- हमारी सरकार आएगी तो सोशल सिक्योरिटी की थीम को आगे बढ़ाएंगे। राहुल गांधी ने जिस तरह से कहा था कि न्याय योजना से हर व्यक्ति को तय पैसा मिलना चाहिए। केंद्र में हमारी सरकार नहीं बनी, लेकिन वह थीम हम आगे बढ़ाएंगे। हम चाहते हैं कि सोशल सिक्योरिटी को लेकर लगातार काम करें। हमारी सरकार दोबारा बनेगी तो हम इस योजना को और आगे बढ़ाएंगे।

कर्जा हर सरकार पर है, हमारे पैरामीटर शानदार : गहलोत ने कहा- हम पर कर्जा बढ़ाने का आरोप का आरोप लगता है, लेकिन कर्जा भारत सरकार की मंजूरी से मिलता है। अगर राज्य की कर्जा लेने की स्थिति नहीं हो तो कर्ज लेने की अनुमति मिलती नहीं है। हम पैरामीटर्स पर खरा उतरते हैं, इसलिए कर्जा मिलता है। कर्ज हर राज्य

न्यूज ब्रीफ

मणिपुर में 2 और लड़कियों से गैंगरेप, दोनों की हत्या की गई

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर में 4 मई को भीड़ ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया था उसी दिन दो अन्य लड़कियों का रेप कर हत्या कर दी गई थी। ये घटना कांगपोकपी जिले के कोनुंग ममांग इलाके में हुई थी, यह जगह दूसरे घटनास्थल से 40 किलोमीटर दूर है। पीड़ितों के साथ काम करने वाले एक शख्स ने बताया कि एक लड़की की उम्र 21 और दूसरी की 24 साल थी। दोनों गैराज में काम करती थीं। उस दिन भीड़ में महिलाएं भी आई थीं। उन महिलाओं ने ही भीड़ में मौजूद मर्दों से उनका रेप करने के लिए कहा था। इसके बाद वो लड़कियों को कमरे में ले गए। लाइट बंद कर दी। उनके मुंह में कपड़ा बांध दिया गया। डेढ़ घंटे बाद उनको घसीटते हुए बाहर लाया गया। उनके शरीर पर कपड़े नहीं थे। वो खून से लथपथ थीं। उनके बाल भी कटे हुए थे।

बंगाल में चोरी को लेकर 2 महिलाओं को निर्वस्त्र किया, पीड़ित आदिवासियों को रास्ते में रोककर कपड़े फाड़े, बाल खींचकर चप्पलों से पीटा

कोलकाता, (एजेंसी)। मणिपुर में 19 जुलाई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने का वीडियो वायरल हुआ था। अब ऐसी ही एक घटना पश्चिम बंगाल के मालदा में सामने आई है। यहां भीड़ ने दो महिलाओं की पिटाई की, फिर उन्हें अर्धनग्न कर दिया गया। भाजपा के आईटी सेल हेड अमित मालवीय ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ये घटना भी 19 जुलाई की है। इसका वीडियो 22 जुलाई (शनिवार) को सामने आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिलाओं का एक समूह दो महिलाओं को घेरे हुए है। उनके बाल खींचकर चप्पलों से पिटाई की जा रही है। इसके बाद उनके बुरी तरह से कपड़े फाड़ दिए गए। फिलहाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अमित मालवीय के मुताबिक, यह घटना मालदा के बामनगोला पुलिस स्टेशन के पाकुआ हाट इलाके में हुई। दोनों पीड़ित महिलाएं आदिवासी हैं। मालवीय ने आरोप लगाया कि, जब उनकी पिटाई हो रही थी और कपड़े उतारे जा रहे थे तो पुलिस वहां मूकदर्शक बनी खड़ी हुई थी।

यासीन मलिक को कोर्ट ले जाने पर 4 अफसर सस्पेंड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में यासीन मलिक की व्यक्तिगत पेशी मामले में लापरवाही को लेकर शनिवार (22 जुलाई) को 4 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें एक डिप्टी सुपरिटेंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिन्टेंडेंट और एक अन्य अधिकारी शामिल है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 21 जुलाई को होम सेक्रेटरी अजय भल्ला को चिट्ठी लिखकर सवाल उठाया था कि सुप्रीम कोर्ट के बुलाए बिना यासीन को कोर्ट क्यों ले जाया गया? मेहता ने इसे सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा में गंभीर चूक बताया था।उन्होंने चिट्ठी में लिखा- यासीन जैसा आतंकी और अलगाववादी नेता, जो न केवल टेरर फंडिंग मामले में दोषी है, बल्कि पाकिस्तान में आतंकी संगठनों के साथ संबंध रखता है, वो भाग सकता था, जबरन ले जाया जा सकता था या मारा जा सकता था। दरअसल, 21 जुलाई को कश्मीरी आतंकी यासीन बिना बुलाए सुप्रीम कोर्ट में पेश हुआ था। कोर्ट में उसे देखकर जज नाराज हो गए थे। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा था कि हमने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था, जिसमें कहा गया हो कि उसे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना है।

धारा 376 पर हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी, कहा- एक हथियार की तरह बलात्कार कानून का यूज कर रही महिलाएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक मामले की सुनवाई के दौरान उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने महिलाओं को चेताते हुए कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कारी को दंड देने वाले कानून का महिलाएं इन दिनों एक हथियार की तरह दुरुपयोग कर रही हैं। यह गलत है। कोर्ट ने कहा कि जब किसी महिला और उसके पुरुष साथी के बीच मतभेद पैदा हो जाते हैं तो इस कानून का दुरुपयोग किया जाता है। जस्टिस शरद कुमार शर्मा की बेंच ने यह तल्ख टिप्पणी एक केस की सुनवाई के दौरान की, जिसमें एक महिला ने अपने पूर्व साथी के उससे शादी करने से मना करने के बाद उस पर बलात्कार करने का आरोप लगाया था। बार एंड बेंच द्वारा जारी की गयी एक रिपोर्ट के मुताबिक न्यायधीश शरद कुमार शर्मा ने एक व्यक्ति के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए यह बात कही। इस व्यक्ति पर कथित तौर पर एक महिला से शादी करने का झांसा देकर उसके साथ यौन संबंध बनाने का मामला दर्ज किया गया था। इसी मामले पर न्यायमूर्ति शरद शर्मा ने कहा- असल में, इस आधुनिक समाज में अब तक आईपीसी की धारा 376 के तहत अपराध का महिलाओं द्वारा एक हथियार के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा है। जस्टिस शरद ने कहा- जब महिलाओं और उनके पुरुष साथी के बीच कुछ मतभेद पैदा होते हैं या किसी प्रकार का मनमुटाव हो जाता है और बात अलग होने पर आ जाति है तब इस बलात्कार कानून को कई अज्ञात कारकों के लिए दूसरे पक्ष पर दबाव बनाने के लिए भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे कई मामले आ चुके है ऐसे में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आईपीसी की धारा 376 के तहत बनाए गए प्रावधानों का महिलाओं द्वारा बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है।

गुजरात के जूनागढ़ में 4 घंटे में 8 इंच बारिश: शहर में पानी ही पानी, कई गाड़ियां बही

जूनागढ़, (एजेंसी)। गुजरात के जूनागढ़ में शनिवार दोपहर बादल फटने से शहर में बाढ़ आ गई। यहां सिर्फ 4 घंटे में 8 इंच बारिश हुई। इससे पूरा शहर पानी में डूब गया। शहर से सटे गिरनार पर्वत पर 14 इंच बारिश होने से हालात और बिगड़ गए। पहाड़ का पानी जूनागढ़ शहर में पहुंचा तो सड़कों पर खड़ी गाड़ियां तिनकों की तरह बह गईं।

जूनागढ़ के निचले इलाकों में 5 से 6 फीट तक पानी भर गया है। शहर के भवनाथ क्षेत्र में इसका सबसे ज्यादा असर हुआ है। यहां कई जानवर तेज बहाव में बह गए। कदवा चौक के पास मुबारक पाड़ा का भी यही हाल है। यहां कई मकान पूरी तरह डूब गए। तेज बहाव के चलते जूनागढ़ शहर के बीच से गुजरने वाले काले कुंड का पुल बंद कर दिया गया है।

जूनागढ़ में शनिवार सुबह से तेज बारिश जारी : जूनागढ़ में शनिवार सुबह से लगातार बारिश हो रही थी। इसके बाद गिरनार पर्वत से आए पानी ने शहर के हालात बदतर कर दिए। यहां कई कॉलोनियां पानी में डूब गईं। सड़कों से लेकर मकानों तक केवल पानी ही दिखाई दे रहा है। कई गाड़ियां पानी में बहते हुए दूर चली गईं या डूब गईं।

---

6 महीने में 87 हजार भारतीयों ने छोड़ी नागरिकता: सबसे ज्यादा लोग अमेरिका गए; सरकार बोली- प्रवासी भारतीयों से बेहतर संबंध बना रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल जून तक भारत से 87 हजार लोग अपनी नागरिकता छोड़ चुके हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में मानसून सत्र के दौरान ये जानकारी दी। संसद को दिए एक लिखित जवाब में जयशंकर ने कहा- 2011 से लेकर अब तक साढ़े 17 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे

ज्यादा लोग अमेरिका जाते हैं। दरअसल, लोकसभा सांसद पी चिंदबरम ने विदेशी मंत्री से सवाल किया था कि पिछले तीन सालों में कितने भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है? इसके बाद उन्होंने किन देशों की नागरिकता हासिल की और क्या नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या 12 सालों में सबसे ज्यादा है?

ग्लोबल वर्कप्लेस की तलाश कर रहे भारतीय-जयशंकर ने बताया कि पिछले दो दशकों में बड़ी संख्या में भारतीय ग्लोबल वर्कप्लेस की तलाश करते रहे हैं। इनमें से कई लोगों ने अपनी सुविधा के लिए दूसरे देशों की नागरिकता ली। विदेश मंत्री ने बताया कि 2020 में 85 हजार, 2021 में 1.63 लाख और 2022 में 2.25 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी थी।उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले में संज्ञान लिया है और मेक इन इंडिया के तहत कई ऐसे प्रयास किए हैं, जिससे देश में रहते हुए ही नागरिकों की प्रतिभा को निखारा जा सके। सरकार ने स्किल और स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया है।

जयशंकर बोले- प्रवासी भारतीय विदेश में हमारी संपत्ति-जयशंकर ने कहा- विदेश में मौजूद भारतीय समुदाय हमारी संपत्ति है। हम उनसे बेहतर रिश्ते बनाने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारतीय प्रवासियों के साथ जुड़ने के लिए कई बदलाव लागू किए हैं। प्रभावशाली प्रवासी भारतीय हमारे लिए एसेट हैं और हम उनके जरिए देश के विकास के लिए कदम उठाते रहेंगे।

सबसे ज्यादा अमेरिका और फिर ऑस्ट्रेलिया जा रहे भारतीय- इकोनॉमिक टाइम्स ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि 2021 में अमेरिका गए 7.88 लाख लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया रहा, जहां 23,533 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ दी। इसके बाद तीसरे नंबर पर कनाडा और चौथे पर ब्रिटेन रहा। प्रवासी भारतीयों की सुविधा के लिए भी भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अमेरिका की यात्रा के दौरान PM मोदी ने घोषणा की थी कि H1B वीजा वाले लोगों को अब अपना वर्क वीजा रिन्यू करवाने के लिए कहीं और नहीं जाना पड़ेगा।

देश और संस्कृति के लिए त्याग करें छोटे छोटे मंदिरों में मिलकर आयोजन करिए: भागवत

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में शनिवार को 30 देशों के 1600 मंदिरों का महासम्मेलन शुरू हुआ। RSS प्रमुख मोहन भागवत ने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में इसका शुभारंभ किया। भागवत ने कहा, हमें गली की छोटी-छोटी मंदिरों की सूची बनानी चाहिए। वहां रोज पूजा हो, सफाई रखी जाए। मिलकर सभी आयोजन करें। संगठित बल साधनों से संपूर्ण करें। मंदिरों को अपना-उनका छोड़कर एक साथ आगे आएं। जिसको धर्म का पालन करना है वो धर्म के लिए सजग रहेगा। निष्ठा और श्रद्धा को जागृत करना है। छोटे स्थान पर छोटे से छोटे मंदिर को समृद्ध बनाना है। समय आ गया है, अब देश और संस्कृति के लिए त्याग करें।

समाज को एक लक्ष्य में चलाने के लिए मठ-मंदिर चाहिए-मंदिर हमारी परंपरा का अभिन्न अंग हैं। पूरे समाज को एक लक्ष्य लेकर चलाने के लिए मठ-मंदिर चाहिए। कभी हम गिरे, कभी दूसरों ने धक्का

मारा... लेकिन हमारे मूल्य नहीं गिरे। हमारे जीवन का लक्ष्य एक ही है... हमारा कर्म और धर्म। यह लोक भी ठीक करेगा और परलोक भी। हमारे मंदिर, आचार्य, देवस्थान, यति साथ चलते हैं, तभी सृजन के लिए हैं।

भागवत बोले- कुछ मंदिर सरकार तो कुछ समाज के हाथ में-मोहन भागवत ने कहा, मंदिर को नई पीढ़ी को संभालना है तो उन्हें ट्रेनिंग दें। अपने साधन और संसाधन को एक करके अपनी कला और कारीगरी को सशक्त करें। समाज के कारीगर को प्रोत्साहन मिले तो वह अपने को मजबूत करेगा। मंदिर सत्यम-शिवम-सुंदरम की प्रेरणा देते हैं। मंदिर की कारीगरी हमारी पद्धति को दिखाते हैं। मंदिर को चलाने वाले धर्म होना चाहिए। अपने यहां कुछ मंदिर सरकार और कुछ समाज के हाथ में हैं। काशी विश्वनाथ का स्वरूप बदला, ये भक्ति की शक्ति है। परिवर्तन करने वाले लोग भक्त हैं और इसके लिए भाव चाहिए।

भागवत ने बताया मंदिर में क्या-क्या होना चाहिए? मोहन भागवत ने बताया, मंदिर पवित्रता के आधार हैं। स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। गुरुद्वारा जाना है तो पानी में होकर जाना होता है। लेकिन, ऐसा सभी मंदिरों में नहीं है। ऐसी ही स्वच्छता का ध्यान रखना है। ये सब मंदिरों में होना चाहिए।

राजस्थान में जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन, जैन मुनियों व समाज के लोगों ने किया खुशी का इजहार

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा जैन समाज द्वारा की जा रही मांग को मानते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जैन श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन कर दिया है। जैन मुनियों व समाज के लोगों ने इस बात का स्वागत किया है। समाज में खुशी का माहौल है। जैन समाज से मनोनीत पार्षद विनोद जैन ने बताया कि पिछले कुछ वर्षो में अल्पसंख्यक जैन समाज के तीर्थो, संतो पर जिस प्रकार से हमले किए जा रहे हे। तीर्थो पर अतिक्रमण व कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, उससे जैन समाज उद्वेलित हे। सामाजिक संसद द्वारा जैन बोर्ड के गठन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए समाज की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का समाज की ओर से आभार जताया।

चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ सकते हैं राजेंद्र गुढ़ा: बर्खास्तगी के बाद पार्टी में हलचल

चमकता राजस्थान, जयपुर। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा की बर्खास्तगी के बाद कांग्रेस में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस हाईकमान ने चुनावी साल में अनुशासन को लेकर सख्ती बरतने के आदेश दिए हैं। गुढ़ा को सरकार के खिलाफ बयानबाजी करने के कुछ ही घंटे बाद बर्खास्त करने के पीछे हाईकमान के आदेश को ही कारण माना जा रहा है। उधर, गुढ़ा के अगले सियासी कदम को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। सीएम ने इस पूरे मामले को पार्टी का अंदरूनी मामला बताकर कमेंट करने से इनकार कर दिया। गुढ़ा के चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ने की संभावना है। इसे लेकर संकेत भी दे चुके हैं। अब उनके अगले सियासी कदम को लेकर समर्थकों से चर्चा है। गुढ़ा बसपा छोड़कर कांग्रेस में आए कुछ साथी विधायकों से भी संपर्क में हैं। गुढ़ा की रणनीति बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए कुछ विधायकों को साथ लेने की है। वे बर्खास्तगी के बाद भी सरकार पर लगातार हमलावर हैं। सियासी रणनीति के तहत गुढ़ा चाहते हैं कि कांग्रेस उन्हें निकाले। इससे वे सियासी सहानुभूति ले सकेंगे। वे अपनी बर्खास्तगी को महिला सम्मान से जोड़कर पेश कर रहे हैं। सोमवार को विधानसभा में खुलासा करने की घोषणा करके उन्होंने साफ कर दिया है कि वे चुप नहीं बैठेंगे। ऐसे हालात में कांग्रेस उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। दिव्या मदेरणा के बयान को लेकर भी रिपोर्ट मांगी थी

अगले 25 वर्षों तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया लोगों ने : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोगों ने अगले 25 वर्षों तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले के तहत लगभग 70 हजार नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद कहा कि रोजगार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और देश की प्रगति में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने का एक अच्छा प्रयास है।

मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के हमारे प्रयासों में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। देशभर में 44 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि जब देश विकास के पथ पर

काम कर रहा है और आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान सरकारी कर्मचारी के रूप में काम करने का अवसर मिलना एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा हालांकि बैंकिंग क्षेत्र में नियुक्ति पत्र अधिक बांटे जाते हैं, लिहाजा युवा कर्मचारियों की भूमिका और जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत उन देशों में से एक है जहां बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन नौ साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। उन्होंने कहा कि जिन सरकारी बैंकों की चर्चा एनपीए के कारण हजारों करोड़ के घाटे के लिए होती थी, आज उन सरकारी बैंकों की चर्चा रिकॉर्ड मुनाफे के लिए हो रही है।

मोदी ने कहा कि देशभर में करीब 50 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं और ये बैंक के हर कर्मचारी के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने फोन बैंकिंग घोटाले पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान यह सबसे बड़े घोटालों में से एक था, जिससे बैंकिंग सेक्टर की रीढ़ टूट गई थी।

उन्होंने कहा कि 2014 में सरकार ने देश में सरकारी बैंकों के प्रबंधन को मजबूत किया और दिवालियापन संहिता कानून बनाया, ताकि अगर कोई बैंक बंद हो जाए तो उसे कम से कम नुकसान की संभावना हो। रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। उम्मीद है कि यह मेला आगे रोजगार सृजन के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा।

नवनियुक्त नियुक्तियों को कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिल रहा है, जहां 580 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

मणिपुर आरक्षण की स्याह राजनीति में धधक रहा है। दो समुदाय एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। करीब 80 दिनों से पूर्वोत्तर का यह राज्य हिंसा की चपेट में है। अब तक 150 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, 50 हजार से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना ने समूचे देश को आक्रोशित कर दिया है। केंद्र व मणिपुर सरकार पर सवाल उठ रहे हैं, मणिपुर पुलिस व अन्य सुरक्षा बल कटघरे में हैं। दोषियों को सख्त सजा की मांग की जा रही है, इस मसले को लेकर संसद ठप है, सियासत भी हो रही है। आखिर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही क्यों नहीं तय की जा रही है? आखिर महिलाओं पर जुल्म कब रुकेगा? इस वीभत्स घटना का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

क्या हमें 'लज्जा' नहीं आती है?

मणिपुर
प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

ज्यादातर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने नजरिये से टिप्पणी की है, बल्कि इस वीडियो के वायरल होने की तारीख बता रही है कि इसके पीछे कोई राजनीतिक-दृष्टि भी है। वर्ना 4 मई की घटना के वीडियो को प्रकट होने में ढाई महीने क्यों लगे? वीडियो के प्रकट होते ही सरकार ने मुख्य अभियुक्त की पहचान कर ली और उसे गिरफ्तार भी कर लिया। तभी क्यों नहीं पकड़ा, जब घटना की खबर मिली थी? यदि यह दो समुदायों के टकराव का मामला है, तो मुख्य अभियुक्त के गांव की महिलाओं ने घर को क्यों फूंका? बहरहाल यह वीडियो बेहद शर्मनाक है और इस कृत्य की निंदा होनी चाहिए।

मणिपुर में 3 मई को शुरू हुई हिंसा के जिस तरह के वीभत्स विवरण सामने आ रहे हैं, उनसे किसी भी देशवासी को शर्म आएगी। पिछले ढाई महीने में शायद ही कोई दिन रहा हो जब इस राज्य के किसी इलाके में हिंसक झड़प, हत्या या आगजनी नहीं हुई हो, पर गत 19 जुलाई को सोशल मीडिया पर दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विचलित करने वाले वीडियो के सामने आने के बाद यह वितृष्णा पराकाष्ठा पर पहुंच गई है। एक साथ कई तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं। क्या यह केवल कुकी और मैतेई समुदायों के बीच की सामुदायिक हिंसा है या इसके पीछे किसी की कोई योजना है? बर्बरता दोनों तरफ से हुई है और कई तरह के वीडियो वायरल हो रहे हैं। कौन है इसके पीछे? यह हिंसा रुक क्यों नहीं रही? राज्य सरकार क्या सोई हुई है? केंद्र खामोश क्यों है? अदालतें क्या कर रही हैं वगैरह। इस वीडियो के आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बोलने में इतनी देर क्यों की? वे ऐसे प्रकरणों पर बोलते क्यों नहीं? वे भारतीय मीडिया से बात क्यों नहीं करते? उधर, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, कोई कुछ नहीं करेगा, तो हमें कोई कदम उठाना होगा। क्या कदम उठा सकती है अदालत? अदालत ने कहा है कि वह इस मामले में 28 जुलाई को सुनवाई करेगा।

राजनीतिक रंग

ज्यादातर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने नज़रिये से टिप्पणी की है, बल्कि इस वीडियो के वायरल होने की तारीख बता रही है कि इसके पीछे कोई राजनीतिक-दृष्टि भी है। वर्ना 4 मई की घटना के वीडियो को प्रकट होने में ढाई महीने क्यों लगे? कौन था, जिसे संसद के सत्र का इंतज़ार था? वीडियो के प्रकट होते ही सरकार ने मुख्य अभियुक्त की पहचान कर ली और उसे गिरफ्तार भी कर लिया। तभी क्यों नहीं पकड़ा, जब घटना की खबर मिली थी? यदि यह दो समुदायों के टकराव का मामला है, तो मुख्य अभियुक्त के गांव की महिलाओं ने जो उसके मैतेई समुदाय से ही आती हैं, उसके घर को क्यों फूंका? इस हिंसा में कोई एक पक्ष पीड़ित नहीं है। कुकी और मैतेई, दोनों ही पक्ष अत्याचार झेल रहे हैं। दोनों समुदायों के लोगों को ज़िंदा जलाए जाने के भी मामले सामने आए हैं। बताया जाता है कि इससे भी ज्यादा भयावह वीडियो लोगों के पास हैं। बहरहाल यह वीडियो बेहद शर्मनाक है और इस घृणित कृत्य की निंदा होनी चाहिए।

वीडियो की टाइमिंग

20 जुलाई को प्रधानमंत्री ने पहली बार मणिपुर मामले पर टिप्पणी की। इस हिंसा के शुरू होने के बाद से उन्होंने अब तक का पहला बयान दिया, पर विरोधी दल इस बयान से संतुष्ट नहीं हैं। वे पहले उनकी चुप्पी पर सवाल उठा रहे थे और जब बयान आया, तो वे उसे अपर्याप्त बता रहे हैं। स्वाभाविक रूप से उनकी दिलचस्पी मामले को राजनीतिक रंग देने में है। जवाब में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वीडियो की टाइमिंग को लेकर सवाल उठाया। गुवाहाटी की प्रेस

कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, यह केस कई दिन पहले दर्ज हुआ था। इसके वीडियो पहले ही मौजूद थे, लेकिन इसे संसद का सत्र शुरू होने के एक दिन पहले लीक किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि रेप की घटनाएं मणिपुर की तुलना में पश्चिम बंगाल, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ज़्यादा होती हैं। यह दुखद घटना है, लेकिन इसे इस तरह पेश किया जा रहा है जैसे यहां ऐसी घटनाएं रोज़ होती हैं। एक बात साफ नजर आती है कि सांप्रदायिक हिंसा हो या युद्ध, सबसे ज्यादा विपत्ति महिलाओं पर आती है। यह सामाजिक दोष है।

बर्बरता से जुड़े वीडियो

मणिपुर में हिंसा के करीब पांच हज़ार मामले दर्ज किए गए हैं। इन घटनाओं में डेढ़ सौ के आसपास जानें गई हैं। कांग्रेस का आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार स्थिति पर नियंत्रण करने में विफल रही है। निश्चित रूप से यह राज्य या केंद्र सरकार की विफलता है, पर देखना यह भी होगा कि स्थिति पर नियंत्रण स्थापित हो रहा था या नहीं? ढाई महीने पुराने इस वीडियो से यह कैसे साबित होगा कि हालात बिगड़ते गए हैं? दोनों महिलाओं ने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर मौजूद थी, लेकिन उसने महिलाओं की मदद नहीं की। ऐसा भी होता है, जब भीड़ के सामने पुलिस की नहीं चलती। महाराष्ट्र के पालघर के गढ़चिंचले गांव में 16 अप्रैल 2020 को दो साधुओं और उनके ड्राइवर की 500 से अधिक लोगों की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। तब पुलिस भी वहां थी। घटना के विस्तार में जाएंगे, तो पाएंगे कि कुकी-ज़ोमी समुदाय की इन महिलाओं को पुलिस ही बचाकर लाई थी। इनके साथ 4 मई को मैतेई बहुल थोबल ज़िले में यौन उत्पीड़न हुआ था। 3 मई को आधुनिक हथियारों से भीड़ ने उनके गांव पर हमला बोला। लूटपाट करने के साथ ही उन्होंने आग लगानी शुरू कर दी। तीन महिलाएं अपने पिता और भाई के साथ जंगलों की ओर भागीं। पुलिस इन महिलाओं को बचाने में कामयाब भी हुई और वह इन्हें थाने लेकर जा रही थी। थाने से दो किलोमीटर पहले ही भीड़ ने उन्हें रोक लिया। प्रदर्शनकारियों ने इन महिलाओं को पुलिस से छीन लिया और युवती के पिता को मार डाला। 19 वर्षीय भाई ने युवती को निर्वस्त्र होने से बचाने की कोशिश की तो उसे भी मार दिया गया।

हम शर्मिंदा क्यों हैं?

राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा, 'ज़मीनी हकीकत को देखिए। ऐसी सैकड़ों घटनाएं हुई हैं, इसीलिए इंटरनेट बंद है।' हम एक वीडियो से विचलित हैं, जब अनेक वीडियो सामने आएंगे, तब क्या होगा? सबको शर्म आ रही है, पर शर्मिंदा कोई नहीं लगता। यह घटना न तो पहली है और न अकेली। आप मणिपुर को ही क्यों देख रहे हैं? देश के किसी न किसी कोने से मॉब लिंचिंग, बलात्कार, लूट और हिंसा की खबरें आ रही हैं। ऐसी घटनाएं स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद भी होती रही हैं। हमारे सामाजिक जीवन में यह हिंसा क्यों है? भारतीय मीडिया से ज्यादा विदेशी मीडिया ने इस प्रकरण में दिलचस्पी दिखाई है। यूरोपियन यूनियन की संसद में इस मामले को उठाया गया। भारत में होने वाली 'हेट स्पीच', मॉब लिंचिंग, सांप्रदायिक हिंसा, अराजकता, खासतौर से कोविड-19 के एक दौर में ऑक्सीजन की कमी का जैसा विवरण पश्चिमी मीडिया ने दिया, वह आंशिक रूप से सच था, पर उसमें अतिरंजना भी थी। ऐसे प्रकरणों से देश की प्रतिष्ठा को ठेस लगती है। इस प्रतिष्ठा को बचाए रखने के लिए हम-आप करते क्या हैं?

सरकार की भूमिका

इसे देखना होगा कि राज्य या केंद्र सरकारें सोई हैं या जागी हैं। न्याय-व्यवस्था क्या कर रही है। हिंसा हाईकोर्ट के एक आदेश के विरोध में भड़की थी। मणिपुर में कई तरह की ताकतें सक्रिय हैं। सरकार का दावा है कि करीब पचास हजार लोगों को हिंसा से बचाकर निकाला गया। करीब नौ हजार ट्रकों पर जरूरी सामग्री, दवाएं वगैरह इंफाल पहुंचाई गईं, जबकि मुख्य हाईवे को प्रदर्शनकारियों ने बंद कर रखा है। केंद्र सरकार ने भी हस्तक्षेप किया। राज्य में कर्फ्यू लगाया गया। इंटरनेट सेवाएं बंद हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने मई में ही राज्य का दौरा किया और उसके बाद इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई।

ढाई महीने पुराने वीडियो से यह निष्कर्ष कैसे निकलेगा कि अराजकता रुकी नहीं। जुलाई के पहले हफ्ते में स्कूल खोले गए हैं। पूछा जा रहा है कि हिंसा शुरू होने के बाद से पीएम मोदी ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया? बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा, राहुल गांधी मणिपुर जा सकते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्यों नहीं जा सकते? जवाब में पूछा जा सकता है कि क्या राहुल गांधी के जाने से अराजकता रुकी? क्या वे अराजकता रोकने के लिए गए थे?

सम्मान की रक्षा हो

प्रधानमंत्री ने बोलने में सच में देर की है? उन्होंने अमेरिका में एक पत्रकार के जवाब में कहा था कि भारत में भेदभाव नहीं होता। सामान्यतः नरेंद्र मोदी कानून-व्यवस्था के मामलों पर बोलते नहीं हैं। मामले बीजेपी शासित राज्यों में हों या दूसरे राज्यों में। वे बंगाल के स्थानीय निकाय चुनाव की हिंसा पर नहीं बोले, केरल की घटनाओं पर भी नहीं। जब उत्तर प्रदेश में कमलेश तिवारी की हत्या हुई थी, तब भी नहीं। उन्हें बोलना चाहिए। बेहतर हो कि मणिपुर के मसले पर संसद में बहस हो, पर सवाल यह भी है कि प्रधानमंत्री की चुप्पी से क्या मणिपुर में अराजकता फैली? वीडियो वायरल होने के अगले दिन संसद के परिसर में पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की घटना से मेरा हृदय दुख से भरा है। यह घटना शर्मसार करने वाली है। मैं देशवासियों को यकीन दिलाना चाहता हूं कि किसी को बख्शा नहीं जाएगा पाप करने वाले कितने हैं, कौन हैं वह अपनी जगह है, पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। उन्होंने यह भी कहा, 'घटना चाहे राजस्थान की हो, छत्तीसगढ़ की या मणिपुर की, राज्य सरकार को राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था को महत्व देना चाहिए और नारी के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए।' उन्होंने मणिपुर के पहले राजस्थान और छत्तीसगढ़ के नाम लेकर इस बात के राजनीतिक निहितार्थ भी स्पष्ट कर दिए। बहरहाल उनका बोलना जरूरी है। पूर्वोत्तर के राज्यों में यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि मुख्यधारा को हमारी परवाह नहीं।

जिम्मेदारों पर 'एक्शन' क्यों नहीं

दो टूक
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

द्वापर युग में पांडवों की धर्मपत्नी द्रौपदी का चीरहरण नहीं किया जा सका, क्योंकि श्रीकृष्ण ने अपनी माया से उन्हें बचा लिया, लेकिन मणिपुर में जिन दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सरेआम घुमाया गया, एक 21 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उनकी इज्जत को बचाने वाला कोई 'कृष्ण' मौजूद नहीं था। लिहाजा इतनी शर्मनाक, और अमानवीय घटना सामने आई। देश गुस्से से कांप रहा है। महिलाएं सड़कों पर प्रदर्शन कर रही हैं कि वे मात्र 'देह' नहीं हैं। मणिपुर सरकार को 48 घंटे का नया अल्टीमेटम दिया गया है कि सभी 'दरिन्दों' को गिरफ्तार किया जाए अथवा बड़ा आंदोलन झेलने को तैयार रहे। फिलहाल 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है और अदालत ने पुलिस रिमांड भी दे दी है। ऐसे 10 और 'राक्षसी' चेहरों की पहचान कर ली गई है, लेकिन अभी वे पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। सेना और सुरक्षा बल मणिपुर की घटनाओं का दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। सोशल मीडिया को भी फेक ख़बरों और वीडियो को लेकर सचेत किया जा रहा है, लेकिन आज मुद्दा मणिपुर की 'इज्जत' के चीरहरण का है, जिसने देश की समूची व्यवस्था को भी 'नंगा' कर दिया है।

जानकारी क्यों नहीं

यह घिनौनी हरकत बीती 4 मई की है और 22 जुलाई को विश्लेषण करना पड़ रहा है, क्योंकि प्रधानमंत्री तक को घटना की जानकारी नहीं थी। हालांकि यह अविश्वसनीय है। कमोबेश मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने तो ब्रीफ किया होगा! खुफिया एजेंसियों के जो प्रमुख नियमित तौर पर, प्रधानमंत्री को ब्रीफ करते रहते हैं। क्या उन्हें ऐसी खौफनाक घटना की जानकारी नहीं थी? खुद गृह मंत्री अमित शाह 3-4 दिन मणिपुर के दौरे पर थे और मुख्यमंत्री से कई बार बातचीत हुई, मुख्यमंत्री ने इतनी बर्बर घटना की पूरी जानकारी गृह मंत्री को क्यों नहीं दी? मणिपुर की राज्यपाल महिला हैं। क्या उन तक ऐसे भी कांड की भनक तक नहीं पहुंची, क्योंकि औरतों के साथ ऐसा पाशविक सलूक, राज्य की राजधानी इंफाल से, 40-45 किलोमीटर दूर ही किया गया था? राज्यपाल तो केंद्र सरकार का ही प्रतिनिधि होता है। यही नहीं, राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक तक राष्ट्रीय महिला आयोग सरीखे संगठनों के ज्ञापन भी पहुंच चुके थे। क्या उनके बावजूद प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक घटना की जानकारी नहीं पहुंच पाई? मुख्यमंत्री एवं राज्य के गृहमंत्री बीरेन सिंह इस दलील के पीछे नहीं छिप सकते कि ऐसे ही 100 केस हो चुके हैं, लिहाजा इंटरनेट बंद कराना पड़ा। अकर्मण्यता की पराकाष्ठा है कि 4 मई को घटना हुई, लेकिन 18 मई को ज़ीरो प्राथमिकी दर्ज की गई और बीती 21 जून को नियमित प्राथमिकी दर्ज हुई,

लेकिन 19 जुलाई तक सन्नाटा पसरा रहा।

व्यवस्था बेनकाब

बहरहाल 19 जुलाई को ट्विटर पर वीडियो वायरल हुआ, तो प्रधानमंत्री मोदी को भी क्रोधित होना पड़ा। दरअसल मणिपुर में हैवानियत और दरिंदगी ही निर्वस्त्र नहीं हुई, पूरी व्यवस्था ही बेनकाब हो गई। शुक्र है कि प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ के संज्ञान में यह वीडियो आया और उन्होंने तुरंत ही इसे संवैधानिक और मानवाधिकारों का हनन माना। सर्वोच्च अदालत ने केंद्र और मणिपुर सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है कि आखिर वे क्या कार्रवाई करेंगे। दरअसल देश का वैश्विक मान-सम्मान निर्वस्त्र हो गया। हमारी सभ्यता, इंसानियत, नैतिकता, लैंगिक सम्मान, संस्कार सभी कुछ नग्न हो गए। वे औरतें रोती-चीखती रहीं, गिड़गिड़ाती रहीं, लेकिन चौतरफा इलाका मूकदर्शक बना रहा। हमारी व्यवस्था और खुफिया-तंत्र निर्वस्त्र हो गए। क्या सरकारें वीडियो वायरल होने का इंतज़ार कर रही थीं? क्या यही नये भारत की एक तस्वीर है?

जवाबदेही किसकी

घटना के 77 दिनों के बाद वीडियो के जरिये ही मणिपुर का भयावह सच सामने आया है। इसकी बुनियादी जवाबदेही किसकी है? प्रधानमंत्री और गृहमंत्री स्वीकार करें या न करें, लेकिन मणिपुर के मुख्यमंत्री, जो राज्य के गृहमंत्री भी हैं, राज्य को संभालने में नाकाम साबित हुए हैं। उन्हें बदला नहीं गया, तो मणिपुर एक राष्ट्रीय मुद्दा बन जाएगा और सत्ताधीशों के हाथ से बहुत कुछ फिसल भी सकता है। मणिपुर में जातीय टकराव और तनाव तभी से हैं, जब यह राज्य अस्तित्व में आया, लेकिन मैतेई और कुकी, नागा समुदायों के बीच जारी हिंसा और हत्याओं का यह दौर अभूतपूर्व है। उसके लिए महिलाओं को इस्तेमाल करना भी नई बात नहीं है, लेकिन अभी जो घटना हुई है, उसने लैंगिक संतुलन और सम्मान को हिला कर रख दिया है। 80 दिनों से ज्यादा वक्त से मणिपुर धधक रहा है। करीब 6000 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से एक-चौथाई यौन एवं महिला हिंसा के लिए लिखी गई हैं। उन पर कार्रवाई मंथर गति से जारी है, क्योंकि राज्य की आग पहले बुझानी जरूरी है। मणिपुर में सीआरपीएफ की 75 कंपनियां ज़मीन पर कार्यरत हैं। सेना और पुलिस की संख्या इसके अतिरिक्त है। दरअसल शेष भारत मणिपुर के ज़मीनी यथार्थ को नहीं जानता।

समीक्षा का समय

सवाल यह भी है कि जिस इलाके में यह यह शर्मनाक वारदात हुई, उसके डीएम और एसएसपी को निलंबित क्यों नहीं किया गया? जिन पुलिस वालों के संरक्षण से भीड़ ने औरतों को छीन लिया, एक महिला के पति की हत्या भी कर दी, उन पुलिस कर्मियों ने आखिरी गोली तक मुकाबला क्यों नहीं किया? उन लापरवाह पुलिस वालों के खिलाफ केस क्यों नहीं दर्ज किए गए? यौन और महिला-विरोधी अपराधों के नए कानून में ऐसे प्रावधान तय किए गए हैं कि पुलिस वालों को बर्खास्त तक किया जा सकता है। सेना और अर्द्धसैन्य बलों को 'तीसरा पक्ष' मानते हुए उनके हस्तक्षेप को कम करने के लिए मणिपुर में औरतों को इस्तेमाल भी किया जाता रहा है। दरअसल मौजूदा जातीय टकराव के गर्भ में आरक्षण भी अहम कारण है, जो हिन्दू बनाम ईसाई बनाम मुस्लिम बन गया है। मैतेई समुदाय को 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा दिए जाने का मामला भी अभी विचाराधीन है। आज़ादी के 75 साल बाद भी आरक्षण समाज और सियासत में 'फांस' बन गया है। बेशक अब समय आ चुका है कि उसकी गंभीरता से समीक्षा जरूरी है।

आखिर महिलाओं पर जुल्म कब तक...

सुलगते सवाल
शैलजा सिंह
सोशल एक्टिविस्ट व लेखिका

मणिपुर में महिलाओं के साथ दरिंदगी ने समूचे देश को झकझोर दिया है। सड़क से लेकर संसद तक, पक्ष से लेकर विपक्ष तक, सरकार से लेकर अदालत तक सब आक्रोशित हैं। बेटियों के लिए इंसाफ की मांग की जा रही है, तो सरकार की ओर से कठोर एक्शन का भरोसा दिया जा रहा है, देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि यह अस्वीकार्य है, सरकार तुरंत कार्रवाई करे, नहीं तो हम एक्शन लेंगे, लेकिन क्या देश की बेटियों के खिलाफ हो रहे अपराध के प्रति सरकार, शासन, प्रशासन और नागरिक सच में ईमानदार हैं? सच में महिलाओं को इंसाफ मिल रहा है? सच में महिलाएं सुरक्षित हैं? सच में महिलाएं अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व हासिल कर सकी हैं? सच में महिलाओं के जीविका के प्रश्न हल हुए हैं? सच में महिलाओं के खिलाफ अपराध रुके हैं?

नहीं रुकी घटनाएं

निर्भया कांड इसी देश में हुआ, इस कांड ने समूचे देश को आक्रोशित किया, लोगों को सड़कों पर ला दिया। कितनी मोमबत्तियां जलाई गईं, सड़क से संसद तक ऐसा उबाल आया, जैसे लगा कि अब महिलाओं के खिलाफ इस देश में एक भी अपराध नहीं होगा। निर्भया कांड के बाद रेप के खिलाफ कठोर कानून तक बने, लेकिन क्या उसके बाद ऐसी घटनाएं रुकीं? कठुआ, दिल्ली, भोपाल, बेंगलुरु, लखीमपुर, उन्नाव, हाथरस, मुंबई न जाने कितने रेप व मर्डर कांड घटित हुए। देश का शायद ही कोई हिस्सा बचा हो, जहां महिलाओं के खिलाफ अपराध घटित ना हुआ हो। मतलब कठोर कानून बनने के बाद भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा, बलात्कार, अत्याचार, उत्पीड़न आदि की घटनाएं नहीं रुकी हैं। ये अनवरत जारी हैं...। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बता रहे हैं कि 2012 में हुए निर्भया कांड के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़े हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2012 में देश में रेप की कुल 24,923 घटनाएं हुईं थीं, जिसका मतलब है कि हर दिन लगभग 69 रेप की घटनाएं होती थी। इनमें केवल 24.2 प्रतिशत केस में सजा मिल पाई। दस साल बाद 2021 में भारत में रेप की कुल 31,677 घटनाएं हुईं। यानी हर रोज करीब 86 रेप की वारदात हुईं। इनमें से केवल 28.6 प्रतिशत केस में अपराधियों को दोषी करार दिया गया। हमारे देश में सजा की दर 100 में सिर्फ 28 यानी केवल 28 फीसदी है। एनसीआरबी के अनुसार देश में वर्ष 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4 लाख 28 हजार दो सौ 78 मामले दर्ज हुए, जबकि वर्ष 2020 में इसकी संख्या 3 लाख 71 हजार 503 थी। वर्ष 2019 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4 लाख 5 हजार 326 मामले दर्ज हुए थे। ये केस आईपीसी और स्पेशल लॉ एक्ट के तहत दर्ज हुए हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि देश में हर साल औसत चार लाख मामले

महिलाओं के खिलाफ अपराध के दर्ज होते हैं। इनमें, घरेलू हिंसा, दहेज, उत्पीड़न, रेप, हत्या आदि के मामले प्रमुख रूप से होते हैं। वर्ष 2022 में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) को महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों की लगभग 31,000 शिकायतें मिलीं, जो 2014 के बाद सबसे अधिक हैं। 2021 में 30,864 शिकायतें मिली थीं जबकि 2022 में यह संख्या थोड़ी बढ़कर 30,957 हो गई। वर्ष 2020 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 23,719 मामले आए थे। वर्ष 2023 में आठ मार्च तक महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 4636 मामले दर्ज किए गए हैं। देश में पिछले करीब तीन वर्ष में महिलाओं के खिलाफ केवल हिंसा के 90 हजार 174 मामले दर्ज किए गए। सबसे कमाल की बात है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के ये आंकड़े उस देश के हैं, जिसकी संस्कृति में नारी को देवी की तरह पूजने का विमर्श है।

विश्व में हर जगह उत्पीड़न

महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन के लिए संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2006 से हर साल 25 नवंबर को अंतराष्ट्रीय हिंसा दिवस मनाता है। फिर भी विश्व भर में महिलाओं के खिलाफ ही सबसे अधिक अत्याचार होते हैं। चाहे यूरोप हो, अमेरिका, अफ्रीका या एशिया हो, कमोबेश हर जगह महिलाओं का लैंगिक व यौन उत्पीड़न होता है।

समाज का दोहरा चेहरा

सवाल है कि आखिर महिलाओं पर कब तक जुल्म होता रहेगा और हम यूं ही मूकदर्शक बने रहेंगे? क्या हम हर रोध, प्रतिरोध, प्रतिशोध, क्रोध, प्रतिकार महिलाओं पर ही अत्याचार करके लेंगे? उन्हें ही निर्वस्त्र करेंगे, उनके ही रेप करेंगे, उन्हीं पर एसिड फेंकेंगे, उन्हें ही मारेंगे, उन्हें ही जलाएंगे, उन्हें ही अपमानित करेंगे, उन्हें डायन साबित करेंगे, उन्हें ही घर से निकालेंगे, उनका ही चरित्र हनन करेंगे और यह सब करने के बाद 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमंते तत्र देवता' के गीत गाएंगे और देवी पूजा का स्वांग करेंगे। यह हमारे समाज का दोहरा चेहरा है। हम मुखौटे में जी रहे हैं, समाज, कानून, सरकार, राजनीति सब मुखौटे ओढ़े हुए हैं, हमारा सामाजिक चेहरा कुछ और है व हम असल में कुछ और हैं। हमारी पूरी व्यवस्था किस तरह की पुरुष मानसिकता का पोषण कर रही है? स्त्री मात्र 'देह' नहीं है, पूर्ण व्यक्तित्व है। युद्ध व हिंसा में महिलाओं पर ही आफत आती है।

हैवानियत कब तक

हम कैसा समाज बना रहे हैं, कैसा राज्य बना रहे हैं, कैसा राष्ट्र बना रहे हैं, जिसमें महिलाओं को बेआबरू कर, उनको निर्वस्त्र कर, उनकी हत्या कर, उनके साथ हिंसा कर, पुरुषों का बदला पूरा होता है, क्रोध शांत होता है? क्या हम सभ्य समाज के नागरिक कहलाने के लायक हैं? क्या हम महान भारतीय संस्कृति के वारिस कहलाने के लायक हैं? हमने कैसी परिवार व्यवस्था गढ़ी है? कैसी समाज व्यवस्था बनाई है, जिसमें महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, उनके अधिकार सुरक्षित नहीं हैं, उनके स्वाभिमान सुरक्षित नहीं है और सबसे बड़ी बात कि वह एक स्वतंत्र व्यक्तित्व नहीं है? हमने पांच हजार साल की अपनी सांस्कृतिक विरासत में महिलाओं के प्रति सहिष्णु परिवार व समाज का निर्माण ही नहीं किया। महिला को ही कभी अग्निपरीक्षा देनी पड़ी, कभी पत्थर बनना पड़ा, कभी घर से जाना पड़ा। कभी धर्म के नाम पर, कभी समाज के नाम पर, कभी चरित्र के नाम पर। महिलाओं को ही बार-बार क्यों परीक्षा देनी पड़ती है। मौजूं सवाल यह है कि मणिपुर की घटना से हमें लज्जा आ रही है कि नहीं? हम शर्मिंदा हैं कि नहीं? बेकसूर महिलाएं पुरुषों की हैवानियत कब तक सहेंगी, कोई तो इंतिहा होगी?

महाराष्ट्र में 26 की गई जान, 82 लोगों का अब भी पता नहीं

महाराष्ट्र, यूपी, जम्मू- कश्मीर और राजस्थान में बारिश ने मचाई तबाही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के इरशालवाड़ी गांव में खोज और बचाव अभियान शनिवार को तीसरे दिन भी चला। यहां भारी भूस्खलन से मरने वालों की संख्या शनिवार को 26 तक पहुंच गई, जबकि 82 ग्रामीणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है । अधिकारियों ने बताया कि मुंबई से लगभग 80 किमी दूर स्थित खालापुर तहसील के अंतर्गत एक पहाड़ी ढलान पर स्थित आदिवासी गांव में बुधवार रात को भूस्खलन हुआ था।

राजस्थान में 114 बांध ओवरफ्लो

जयपुर। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव का असर राजस्थान पर किसी भी समय भयंकर बारिश के रूप में शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि शुक्रवार रात 10 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का दौर शुरू होगा और हवाओं की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटे के पार रह सकती है।

यवतमाल में बाढ़ में फंसे 45 लोग

हेलीकॉप्टरों को नहीं मिल रही लैंडिंग की जगह

महाराष्ट्र के यवतमाल में शुक्रवार रात हुई भारी बारिश के चलते जिले के कई रिहायशी इलाके जलमग्न हैं। महागांव तालुका स्थित आनंदनगर गांव में इस भारी बारिश के कारण आई बाढ़ में 45 लोग फंसे हुए हैं। महाराष्ट्र सरकार और स्थानीय प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस बीच भारतीय वायुसेना ने 2 एमआई -17 हेलीकॉप्टर इन लोगों को निकालने के लिए तैयार रखे हैं। हालांकि वहां मौसम अब भी बहुत ज्यादा खराब बना हुआ है और पूरा गांव पानी की चपेट में है। इस कारण हेलीकॉप्टर स्टैंड बाई में रख गए हैं और एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

उफनती नदी में फंसी थी रोडवेज बस, सुरक्षित निकाले गए 70 यात्री

बिजनौर। जनपद में एक बार फिर से कोटावाली नदी का जलस्तर बढ़ गया है। इससे कोटावाली नदी रपटे के बीच एक रोडवेज बस फंस गई है। बताया गया कि यह बस नजीबाबाद से हरिद्वार की ओर जा रही थी। इस रोडवेज बस में बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे। इसके बाद जेसीबी के जरिए यात्रियों को रोडवेज बस से बाहर निकाला गया है। भागूवाला क्षेत्र के कोटावाली नदी रपटे पर फंसी रोडवेज बस के सभी 70 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पोकलेन के माध्यम से सभी यात्रियों को नदी क्षेत्र से बाहर निकाला गया।

अमरनाथ यात्रियों का काफिला रोका

डोडा में बादल फटने से सड़क बही

जम्मू। यहां लगातार मौसम का मिजाज बदला रहा है। जम्मू संभाग के अधिकांश हिस्सों में बारिश के बाद जलभराव हुआ है। इसका असर यातायात, बिजली और पानी की सप्लाई पर भी पड़ा है। कश्मीर में बर्फबारी होने के साथ हल्की बारिश भी हुई। इस बीच अमरनाथ यात्रा जारी है। शनिवार को जम्मू से तीन हजार से अधिक यात्रियों के दल को कश्मीर के लिए भेजा गया। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर दो स्थानों पर भूस्खलन के बाद काफिले को रामबन में कुछ देर के लिए रोका गया। 3472 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था तड़के 132 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ।

खबर संक्षेप

कैंटीन के सांभर में निकला सांप, बवाल

हैदराबाद। यहां इलेक्ट्रानिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की कैंटीन में बड़ी लापरवाही का एक मामला सामने आया है। इस नामी कंपनी की कैंटीन में परोसे गए सांभर में सांप निकलने की जानकारी मिली है। कंपनी के कई कर्मचारी सांभर खा चुके थे। कुछ की तबीयत खराब हो गई है।

बालासोर ट्रेन हादसा अब भी 41 शव लावारिस

बालासोर। ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे को डेढ़ महीने से भी ज्यादा समय हो चुका है। अब तक कई शवों की पहचान नहीं हो पाई है। इस बीच एम्स भुवनेश्वर के निदेशक डॉ. आशुतोष बिस्वास ने कहा कि उनके पास करीब 41 लावारिश शव हैं और लोग उनके पास आ रहे हैं और वह डीएनए नमूनों का मिलान करने के शव उन्हें सौंप रहे हैं।

2 मस्जिदों को नोटिस अवैध कब्जा हटाएं

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे प्रशासन ने दिल्ली की दो प्रमुख मस्जिदों बंगाली मार्केट मस्जिद और बाबर शाह तकिया मस्जिद को नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। रेलवे के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर तय समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो वे अपनी जमीन पर कब्जा करने के लिए जरूरी कार्रवाई करेंगे।

अभिषेक के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

कोलकाता। टीएमसी नेता और सीएम के भतीजे अभिषेक बेनर्जी के खिलाफ कोलकाता पुलिस ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज की है। अभिषेक के खिलाफ रवींद्र सरोवर पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। शुक्रवार को उन्होंने टीएमसी कार्यकर्ताओं और लोगों को भाजपा नेताओं के

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से 'रोजगार मेले' को किया संबोधित

'परिवार' के एक कॉल पर मिलते थे हजारों करोड़ रुपए के लोन

हमें भारत के प्रति विश्व के भरोसे व आकर्षण का पूरा इस्तेमाल करना होगा

संकेतों में कांग्रेस की सरकारों पर किया हमला पिछली सरकार में फोन बैंकिंग घोटाला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले के तहत सरकारी विभागों और संगठनों में शामिल नए भर्ती हुए युवाओं को 70,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए पार्टी पर फोन बैंकिंग घोटाले का आरोप भी लगाया। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग पिछली सरकार के करीबी थे उन्हें एक फोन कॉल पर बैंकों से हजारो करोड़ों के लोन दिए जाते थे, जिसका भुकतान आजतक नहीं किया गया है। पिछली सरकार में यह फोन बैंकिंग घोटाला अबतक के सबसे बड़े घोटालों में से एक था। पीएम ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जब देश विकास की तरफ बढ़ रहा है तो एक सरकारी कर्मचारी के तौर पर इसमें योगदान देना गर्व की बात है। भारतीयों ने देश को विकसित बनाने का संकल्प ले लिया है। अंत में पीएम ने कहा कि हमें भारत के प्रति विश्व के भरोसे और आकर्षण का पूरा इस्तेमाल करना होगा। 25 साल भारत के लिए अहम हैं। हमें भारत के प्रति विश्व के भरोसे और आकर्षण का पूरा इस्तेमाल करना होगा।

छोटे बैंकों को मिलाकर एक बड़ा बैंक बनाया

पीएम मोदी ने कहा कि फोन बैंकिंग घोटाला ने बैंकिंग क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी को तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि साल 2014 में हमने बैंकिंग क्षेत्र को पुनर्जीवित करना शुरू किया। हमने देश के सरकारी बैंकों के प्रबंधन को मजबूत किया। छोटे-छोटे बैंकों को मिलाकर एक बड़े बैंक की स्थापना की गई। सरकार ने दिवालिया संहिता लागू किया, जिससे कि अगर कोई भी बैंक भविष्य में बंद होता है तो उन्हें कम नुकसान का सामना करना पड़े।

'मुद्रा' और महिला स्वसहायता समूहों के लिए बैंकों के सहयोग की सराहना की

पीएम ने लोगों की सेवा करने और 'मुद्रा' योजना के तहत ऋण के माध्यम से गरीबों और असंगठित क्षेत्रों की मदद करने तथा महिला स्वयं सहायता समूहों का समर्थन करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने के वास्ते बैंकिंग क्षेत्र के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत वैश्विक विश्वास एवं आकर्षण के केंद्र के रूप में उभरा है और देश को इसका भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में विभिन्न क्षेत्रों में अवसर बढ़ रहे हैं।

बैंकिंग घोटाले ने क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी को तोड़ दी

पीएम मोदी ने कहा कि फोन बैंकिंग घोटाला ने बैंकिंग क्षेत्र की रीढ़ की हड्डी को तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि साल 2014 में हमने बैंकिंग क्षेत्र को पुनर्जीवित करना शुरू किया। हमने देश के सरकारी बैंकों के प्रबंधन को मजबूत किया। छोटे-छोटे बैंकों को मिलाकर एक बड़े बैंक की स्थापना की गई। सरकार ने दिवालिया संहिता लागू किया, जिससे कि अगर कोई भी बैंक भविष्य में बंद होता है तो उन्हें कम नुकसान का सामना करना पड़े।

भारत का बैंकिंग सेक्टर दुनिया में सबसे मजबूत

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि मौजूदा समय में भारत का बैंकिंग सेक्टर दुनिया में सबसे मजबूत माना जाता है। यह स्थिति नौ साल पहले तक नहीं थी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में बैंकिंग सेक्टर में भारी तबाही देखने को मिली थी। उन्होंने कहा कि आज हम डिजिटल लेनदेन करने में सक्षम है, लेकिन नौ साल पहले तक मोबाइल बैंकिंग 140 करोड़ आबादी के लिए नहीं थी।

रिजिजू ने की पीएम की सराहना

केंद्र मंत्री किरेन रिजिजू ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि रोजगार मेला पीएम मोदी द्वारा 10 लाख सरकारी नौकरियां पैदा करने और संबंधित पदों पर योग्य लोगों को नियुक्त करने के वादे का हिस्सा है। हम इसे सिर्फ एक नौकरी नहीं बल्कि राष्ट्र की सेवा मानते हैं। पीएम मोदी देश की सेवा में दिन-रात एक किए हुए हैं। युवाओं के लिए कई योजनाएं लांच की गई है।

मणिपुर में सेना व आरएएफ की तैनाती

फिर भड़की हिंसा, रोड ब्लॉक किया, 5वां आरोपी भी धराया

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में पुलिस ने शनिवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। महिलाओं के साथ हुई बर्बरता के मामले में ये 5वीं गिरफ्तारी की है। इस बीच राजधानी इंफाल से एक बार फिर से हिंसा की खबर है। गढ़ी इलाके में महिला प्रदर्शनकारियों ने मेन रोड को दोनों तरफ से ब्लॉक कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने रोड पर टायर जलाए और पुलिस को कार्रवाई करने से रोक दिया। सूचना मिलते ही मणिपुर की सशस्त्र पुलिस, सेना और त्वरित कार्य बल के जवान मौके पर पहुंच। सुरक्षा बलों ने स्थिति को अपने नियंत्रण में लिया। रोड पर जलाए गए टायरों इत्यादि को भी बुझा दिया। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों ने विभिन्न इलाकों में संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया है।

मैतेई समुदाय की सुरक्षा बढ़ाई

मणिपुर में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए जहां मिजोस के साथ जातीय संबंध साझा करने वाले जजो व कुकी समुदायों को निशाना बनाया गया है, मिजोरम सरकार ने मैतेई समुदाय के लिए सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया है। आइजोल पुलिस के उत्तरी रेंज के आईपीएस लालियानमाविया ने कहा कि दो आदिवासी कुकी-जोस की बेरहमी से पिटाई के वीडियो के खिलाफ सार्वजनिक आक्रोश आइजोल में रहने वाले मेइतेई लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता है। मैतेई लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राज्यपाल बोलीं- ऐसी हिंसा कभी नहीं देखी

मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने कहा कि हिंसा से लोग डरे हुए हैं। ऐसी हिंसा अपने जीवन में कभी नहीं देखी। जातीय हिंसा भड़कने के एक दिन बाद चार मई को यह घटना कांगपोकपी जिले के एक गांव में हुई थी, जिसका 26 सेकंड का एक वीडियो बुधवार को वायरल हुआ है।

अमरनाथ यात्रियों के साथ एलजी सिन्हा

पहलगाम। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को पहलगाम के चंदनवाड़ी बेस कैंप में अमरनाथ यात्रियों के साथ तस्वीर खिंचवाई।

शिंदे सपरिवार पीएम से मिले

गठबंधन में बेचैनी के बीच सियासी अटकलें और बढ़ीं

नई दिल्ली। राकांपा के अजित पवार के महाराष्ट्र की गठबंधन सरकार में शामिल होने और इसके के बाद भाजपा-शिवसेना गठबंधन में बेचैनी के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को पीएम मोदी से मुलाकात की है। वे अपने परिवार के साथ पीएम नरेंद्र मोदी से उनके लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर मिलने पहुंचे। पीएम से मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने बताया कि मैं और मेरा परिवार पीएम मोदी से मिले। उन्होंने हमें अपना काफी समय दिया और मैं इसके लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। शिंदे ने यह भी बताया कि इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार के दौरान रुकी हुई परियोजनाओं की प्रगति और महाराष्ट्र में भारी बारिश से पड़े प्रभाव के बारे में भी जानकारी दी।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

पूर्व आईपीएस समेत 17 नेताओं ने भाजपा का दामन थामा

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच विभिन्न पार्टियों और स्वतंत्र 17 नेताओं ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। इन्हें राजस्थान भाजपा प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने शामिल करवाया। इनमें पूर्व आईपीएस जसवंत संपतराम, लल्लूराम बैरवा, केआर मेघवाल, डॉ. शिवचरण कुशवाह, रविंद्र सिंह बोहरा, पवन दुग्गल, विवेक सिंह बोहरा, रानी दुग्गल, पूर्व आईएएस डॉ. एसपी सिंह और मनोज शर्मा समेत ममता कंवर, डीडी कुमावत, धनसिंह रावत, दिनेश रंगा और गीता वर्मा हैं।

अरुण सिंह का दावा

भाजपा प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार

इस मौके पर पर प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि राजस्थान भाजपा का परिवार और बढ़ गया है। सिंह ने दावा किया कि राजस्थान में भाजपा की लहर चल रही है। भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में हाहाकार की स्थिति है। अफरातफरी मची हुई है। कांग्रेस के इतने कम विधायक आएंगे कि वे फॉरच्यूनर में बैठकर जाएंगे।

वाराणसी में आयोजित महासम्मेलन को संबोधित किया

नई पीढ़ी को मंदिरों के माध्यम से देने होंगे संस्कार, संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी को मंदिरों के द्वारा शिक्षा संस्कार देनी पड़ेंगे, क्योंकि भविष्य उन्हीं को संभालना है। इनको अभी से प्रशिक्षित करने की जरुरत है। संघ प्रमुख मोहन भागवत शनिवार को वाराणसी में टेंपल कनेक्ट की ओर से आयोजित मंदिरों के महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मंदिर को नई पीढ़ी को संभालना

है तो उन्हें ट्रेनिंग दें। अपने साधन और संसाधन को एक करके अपनी कला और कारीगरी को सशक्त करें। मंदिर सत्यम-शिवम-सुंदरम की प्रेरणा देते हैं। मंदिर की कारीगरी हमारी पद्धति को दिखाते हैं। मंदिर को चलाने वाले धर्म होने चाहिए।

सभी मंदिरों का सर्वे करना है

भागवत ने कहा कि छोटे से छोटे मंदिर में पूजा हो और वहां पर स्वच्छता की व्यवस्था हो। कई जगहों पर मंदिर सरकार के नियंत्रण में हैं, उनको कैसे जोड़ा जाए, उस पर भी सोचना चाहिए। मंदिर कनेक्ट तो हो रहा है, अब अगला कार्यक्रम सभी मंदिरों का सर्वे करना है। जिस धर्म का पालन करना है, अगर वो धर्म ही नहीं रहेगा और उसकी श्रद्धा ही नहीं रहेगी तो कैसे काम चलेगा?

टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग को लेकर चीफ जस्टिस ने जताई चिंता, कहा

आजकल लोग इसकी मदद से धमका रहे और ट्रोल कर रहे

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

शनिवार को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ आईआईटी मद्रास के 60 वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। यहां उन्होंने कई ऐसी बातें कहीं, जिस पर कानूनी एजेंसियां ही नहीं बल्कि आम आदमी को ध्यान देने की आवश्यकता है। सीजेआई ने कहा कि आजकल हम सभी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन इसको लेकर हमारे मन में कई सवाल रहते हैं। प्रौद्योगिकी को उपयोगकर्ताओं के मन में भय पैदा नहीं करना चाहिए।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ आईआईटी मद्रास के 60 वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे

कोई भी प्रौद्योगिकी निर्वात में जन्म नहीं लेती

सीजेआई ने कहा कि कोई भी प्रौद्योगिकी निर्वात में जन्म नहीं लेती है, बल्कि वह उस समय की सामाजिक वास्तविकता तथा कानूनी, आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्था का परिचायक होती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया ने आज राष्ट्रीयता समेत कई बाधाओं को समाप्त कर दिया है और कोई भी एक बार में लाखों संदेश भेज सकता है जो ऑफलाइन माध्यम से संभव नहीं है। साथ ही नए व्यवहार का जन्म भी हुआ है और यह ऑनलाइन मध्यम से धमकी, गाली गलौज करने और 'ट्रोल' करने का है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी किस प्रकार से मानव विकास में मदद कर सकते हैं?

चंद्रचूड ने कहा कि जब हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं तब हमें यह देखना चाहिए कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी किस प्रकार से मानव विकास में मदद कर सकते हैं। यह बात भी स्पष्ट होती है कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल हानिकारक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी को उपयोगकर्ताओं के मन में भय पैदा करने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। अक्सर कहा जाता है कि प्रौद्योगिकी इतनी तेजी से विकसित होती है कि कानून उसके साथ नहीं रह सकता। यह इस समय सच लग सकता है, लेकिन इतिहास इस तथ्य का प्रमाण है कि कानून और तकनीकी विकास एक द्वंद्वात्मक संबंध साझा करते हैं।

नेट थिएट पर तबला जुगलबंदी

तबले की तिरकिट पर ताले नाच उठी

जयपुर। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज दो उभरते युवा कलाकार तबला कलाकार *नरेंद्र सिंह* और *आशीष कुमार* ने तबले पर अपनी उंगलियों का ऐसा जादू चलाया दर्शक वाह-वाह कर उठे।

नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की तबला नवाज नरेंद्र सिंह ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत उठान, पैराकार, धीक धीनना, , धा तिट धाधा तिट के बाद रेला, गत तिल्ली, फरमाइशी चक्रधार गत, बजाकर लोगों की वाही वाही लूटी। नरेंद्र ने तीन साल की उम्र में तबले की प्रारंभिक शिक्षा जयपुर के तबला गुरु उस्ताद इंतजार हुसैन खान और मुंबई के उस्ताद शादाब भारतीय से ली। इसके बाद नरेंद्र और उभरते तबला कलाकार आशीष कुमार ने तबले की जुगलबंदी मैं दिल्ली घराने का बहुत पुराना कायदा धा ती धागे न था तिरकिट बजाई और अपने घराने की कुछ गते परण पर उंगलियों का ऐसा जादू चलाया कि लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इनके साथ हारमोनियम पर मयंक शर्मा ने सुरीली संगत से कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी ने किया।

कार्यक्रम में प्रकाश व्यवस्था सागर गढ़वाल कैमरा मनोज स्वामी मंच सज्जा मनीष एवं अंकित शर्मा नोनू, जीवितेश शर्मा की रही।

चमकता राजस्थान

भीलवाड़ा में इनलैंड कन्टैनर डिपो से विकास के आयाम स्थापित होंगे : राजीव अरोड़ा

चमकता राजस्थान

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के आजाद नगर में शनिवार को 13 वर्ष से बंद पड़े इनलैंड कन्टैनर डिपो का पुनर्संचालन प्रारंभ हुआ। राजस्थान की उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, राजस्थान लघु उद्योग निगम और राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा तथा राजस्व मंत्री एवं मांडल विधायक रामलाल जाट इस अवसर पर उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि अन्तर्देशीय या अंतरराज्यीय आयात-निर्यात के लिए तटीय प्रदेशों में बंदरगाह यानि पोर्ट्स होते हैं, जहां जल जहाजों के माध्यम से माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जाता है, लेकिन राजस्थान भू-आबद्ध (लैंड लॉक्ड) प्रदेश है। ऐसे में राज्य से बाहर सामान की अधिक दूरी तक आवाजाही के लिए शुष्क बंदरगाह यानी इनलैंड कन्टैनर डिपो की आवश्यकता होती है। राजस्थान में इन शुष्क बंदरगाहों का निर्माण और संचालन राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) द्वारा किया जा रहा है।

शनिवार को भीलवाडा में बंद पड़े इनलैंड कंटेनर डिपो का पुनर्संचालन प्रारंभ करते हुए राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कहा कि जयपुर और जोधपुर के बाद अब प्रदेश के मैनचेस्टर कहे जाने वाले भीलवाड़ा में कन्टैनर डिपो की शुरुआत होने से यहाँ के सभी श्रेणियों के व्यापारियों को आगे बढ़ने के लिए सुविधा मिलेगी, इससे यहाँ विकास के नए आयाम स्थापित होंगे तथा क्षेत्र का कपड़ा उद्योग और अधिक समृद्ध व सम्पन्न होगा। अरोड़ा ने कहा कि आने वाले दिनों में बीकानेर और पचपदरा (बाड़मेर) में भी इनलैंड कंटेनर डिपो (शुष्क बंदरगाहों) की स्थापना की जाएगी। अरोड़ा ने इस अवसर पर प्रदेश के आयातकों, निर्यातकों और व्यापारियों की तरफ से इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का हार्दिक आभार प्रकट किया।

मंदिर जीर्णोद्धार तथा मूर्ति स्थापना स्वामी श्री बालमुकुंदाचार्य जी महाराज के सानिध्य में हुई संपन्न।

चमकता राजस्थान

Lजयपुर- कालवाड रोड, तकिया की चौकी स्थित बालाजी महाराज एवं भेरुजी महाराज के मंदिर का जिर्णोद्धार हवन, पूजन, महाआरती एवं हनुमान चालीसा पाठ स्वामी श्री बालमुकुंदाचार्य जी महाराज हाथोज धाम के सानिध्य में संपन्न हुआ।

बालाजी महाराज के 501 लड्डू का भोग लगाकर भक्तों को वितरित किया गया एवं कन्या प्रसादी आयोजित की गई। इस अवसर पर बंसी यादव, मदन चौधरी, प्रदुमन, सीताराम, राजपाल, लक्ष्मीकांत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आनंदपाल प्रकरण के सीबीआई जांच की मांग नहीं माने जाने से इस बार मोदी से भी बैर लेने की राह पर रावणा राजपूत समाज

चमकता राजस्थान

राजधानी जयपुर में आनंदपाल प्रकरण के सीबीआई जांच की मांग को लेकर रावणा राजपूत समाज के सभी जिलों से आये प्रतिनिधियों की बैठक हुई

बैठक में रणजीत सिंह पंवार (गेंदिया) ने कहा की पिछले चुनाव मे रावणा राजपूत समाज ने नारा दिया था कि "मोदी से कोई बैर नही वसुंधरा तेरी खेर नही" पर पिछली हार से भी भाजपा ने कोई सबक नही लिया है आनंदपाल प्रकरण को लेकर समाज के प्रमुख लोग कांग्रेस भाजपा के कई बडे नेताओ से कई बार मिल चुके हैं मगर समाज को सिवाय आश्वासन के आज तक कुछ नहीं मिला अपितु इस मांग को लेकर जो आंदोलन हुआ उसके खिलाफ समाज के प्रमुख लोगों पर ही केस कर उसकी जांच सीबीआई को दे दी गई सरकार ने राजपूत व रावणा राजपूत समाज के 22 लोगों पर मुकदमा किया जिसमे से लोकेन्द्र सिंह कालवी, गिरिराज सिंह लौटवाडा का देहांत हो गया

पिछली बार समाज की नाराजगी का भाजपा को बहुत नुकसान उठाना प़डा था इस बार समाज फिर इसी मांग को लेकर आक्रोशित हे और अगर दोनों ही समाज के प्रमुख लोगों पर लगाये झूठे मुक़दमे वापस नही लिये जाते हैं तो 2024 के लोकसभा चुनाव मे पूरे हिन्दुस्तान का राजपूत व रावणा राजपूत समाज एक मुश्त भाजपा के खिलाफ वोट करेगा

और तय किया गया कि 23 सितंबर 2023 को मेजर दलपत सिंह जी की जयंती पर जयपुर मे समाज इकट्ठा होकर राजनीतिक निर्णय लेगा

वहीं भाजपा नेता व प्रदेश अध्यक्ष रणजीत सिंह सोढ़ाला ने बताया कि वह भाजपा के बड़े नेताओं के संपर्क में हे और उन्होंने समाज को आश्वस्त दिया है कि जल्दी ही वह इस प्रकरण से जुड़े सभी मुकदमों को वापस लेने की कार्यवाहि शुरू कर देंगे

आज की बैठक में रणजीत सिंह सोढ़ाला प्रदेश अध्यक्ष, रणजीत सिंह गेंदिया प्रदेश सलाहकार, रणवीर सिंह बिलोंका, संरक्षक जय सिंह तसवारिया ,महिला प्रदेश अध्यक्ष ममता कंवर, युवा प्रदेश अध्यक्ष श्याम सिंह खोड सहित प्रदेश से कोने कोने से आये समाज बंधुओ ने हिस्सा लिया

बारिश से तरसे ग्रामीणों ने लगाई सामुहिक राम कृष्ण धुनी

चमकता राजस्थान,अजमेर जिला ब्यरो चीफ रघुनंदन पारीक श्रीनगर

श्रीनगर पीपलेश्ववर महादेव मंदिर सदर बाजार श्रीनगर में आज महिला मंडल द्वारा महादेव मंदिर में बारिश की कामना के लिए राम कृष्ण की धुनी प्रारंभ की ,उसमें 24 घन्टें की राम कृष्ण धुनी चलेगी, दिन में महिला मंडल द्वारा राम कृष्ण धुनी की जाएगी रात्रि में पुरूष करेंगे रामकृष्ण धुनी , पिछले कई दिनों से नहीं हो रहे ईन्दर देवता की मेहरबानी । इसी आशा के साथ ग्रामीण कर रहे रामकृष्ण धुनी।

बीजेपी नेता अमरसिंह खरैरी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया से की शिष्टाचार भेंट

चमकता राजस्थान

वैर,(राजवीर सिंह) वैर विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी नेता अमरसिंह खरैरी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया से जयपुर पहुंचकर उनके निज निवास पर मुलाकात की अमरसिंह खरैरी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत कर शिष्टाचार मुलाकात की अपनी वैर विधानसभा क्षेत्र के बारे में चर्चा कर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को दूर करने व आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षेत्र में परिवर्तन लाने की बात कही। आपको बता दें कि अमर सिंह खरैरी वैर विधानसभा क्षेत्र में केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याणकारी एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के साथ साथ बीजेपी को आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी को वोट देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अमर सिंह खरैरी एक कद्दावर बीजेपी नेता हैं जो सर्व समाज के हितेषी ईमानदार एवं स्वच्छ छवि के धनी हैं

कांग्रेस के खिलाफ बीजेपी ने किया विरोध प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) ग्वालियर मध्यप्रदेश में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के चुनावी सभा को संबोधन के लिए आगमन पर बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति शिवानी दायमा और राजस्थान की सैकड़ों महिलायों के साथ बीजेपी भरतपुर जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल के साथ महिलाओं ने राजस्थान में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी में लूट, नकबजनी, पेपर लीक, महिला उत्पीडन के खिलाफ मध्यप्रदेश प्रियंका गांधी के सामने कांग्रेस सरकार राजस्थान के खिलाफ काले झंडे दिखाकर प्रदर्शन कर आक्रोश व्यक्त किया। इस अवसर पर ऋतु बनावत, सुधा चौधरी, अनू फौजदार, बबीता सैनी, कोमल महावर, किरण जैन, पदमा सिंह सहित सैकड़ों महिलाए उपस्थित थी।

जिला स्तरीय सम्मान समारोह में अराई सरपंच रामस्वरूपनायक हुए सम्मानित

चमकता राजस्थान अरांई/ शंकर लाल शर्मा

अराई विश्व जनसंख्या दिवस पर अजमेर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में अरांई सरपंच रामस्वरूप नायक को सम्मानित किया गया है। जनसंख्या स्थायित्व, परिवार कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर ग्राम पंचायत अरांई ने पंचायत समिति में प्रथम स्थान हासिल किया है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से आयोजित समारोह में जिला कलेक्टर भारती दीक्षित, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनुज पिंगोलिया ने सरपंच नायक को प्रशस्ति पत्र, शील्ड और पचास हजार रुपये का चेक प्रदान किया। सरपंच नायक ने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी, वार्ड पंचो के सहयोग से ग्राम पंचायत क्षेत्र / में परिवार कल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुचाकर और जन-जागृति पैदा कर आमजन को सीमित परिवार के लिए प्रेरित किया गया। ग्राम पंचायत सरपंच नायक के सम्मानित होने पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर कर सरपंच नायक को बधाई दी। साथ ही सरपंच श्री नायक को जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने बधाई दी

विकास कार्यों को धरातल पर लाने में सभी बनें भागीदार

पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत करायें लाभान्वित - भजनलाल जाटव

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) सार्वजनिक निर्माण मंत्री भजनलाल जाटव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन को जनहितैषी एवं जनकल्याणकारी बजट समर्पित किया उसको धरातल पर लाने की जिम्मेदारी हम सभी की है।

सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्री जाटव शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भावना के अनुरूप राज्य में आमजन को निशुल्क उपचार के लिये संचालित मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में वंचित रहे परिवारों को शतप्रतिशत पंजीयन कराकर लाभान्वित करायें साथ ही निशुल्क जॉच योजना, निशुल्क दवा योजना का भी लाभ आमजन को पूर्णरूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें इसके लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निगरानी रखने के निर्देश दिये तथा समस्त चिकित्सा संस्थानों पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित निशुल्क दवाऐं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में रोगी को बाजार की दवा न खरीदनी पडे। उन्होंने इसके लिये संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को भी नियमित चिकित्सा संस्थानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने वैर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर बहुप्रतिक्षित सोनोग्राफी मशीन को तत्काल लगाये जाने के निर्देश दिये साथ ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये कि चिकित्सा संस्थानों में बेहतर साफ सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे पर्यावरण में सुधार के साथ ही रोगियों को भी लाभ मिल सके।

बैठक में शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुये सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ ही विद्यार्थियों को पर्याप्त सुविधाऐं भी उपलब्ध हों जिससे विद्यालयों में नामांकन को बढाया जा सके इसके लिये राज्य सरकार ने मिड डे मील के साथ ही मुख्यमंत्री गोपल दुग्ध योजना , मुख्यमंत्री निशुल्क ड्रेस योजना एवं महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने जिले में नामंकित बच्चों को राज्य सरकार के निर्धातिर नियमानुसार मिड डे मील एवं गुणवत्तापूर्ण दूध का वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें साथ अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये पर्याप्त संख्या में फैकल्टी लगायें। उन्होंने कहा कि जिले के 10-15 विद्यालयों को मॉडल विद्यालयों के रूप में विकसित करें जिसमें स्मार्ट क्लास रूम, स्वच्छ वातावरण हेतु सघन वृक्षारोपण , किचिन गार्डन के साथ ही उचित सफाई व्यवस्था रखें जिससे विद्यार्थियों को शिक्षा का अलग वातावरण महसूस हो सके इसके लिये स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं भामाशाहों का सहयोग लें। उन्होंने समसा के तहत वैर क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुहारी के विद्यालय में स्वीकृत भवन निर्माण के कार्य को काफी समय से लम्बित होने के कारण संबंधित अधिकारी के विरूद्व नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये तथा ग्राम पंचायत सैंथली के विद्यालय के लम्बित निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने के भी निर्देश दिये।

सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्री जाटव ने जिला कलक्टर को निर्देश दिये कि राज्य सरकार की महत्वपूर्ण फ्लैगशिप योजना पालनहार का जिले में सर्वे कराकर वंचित पात्र परिवारों को लाभान्वित करायें इसके लिये उन्होंने मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये कि वे विद्यालयों में अध्ययनरत पालनहार से वंचित विद्यार्थियों को चिन्हित कर योजना का लाभ दिलवाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने खनन क्षेत्र में कार्यरत श्रमिक जो सिलकोसिस पीडितों की पहचान के लिये विशेष शिविर लगाकर निर्धारित समय में संवेदनशील होकर लाभान्वित कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने जलजीवन मिशन की समीक्षा करते हुये जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि योजना को समय पर पूर्ण कराने का प्रयास करें जिससे आमजन को घर घर कनेक्शन के माध्यम से मीठा एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि जलजीवन मिशन के तहत संवेदकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सडकों का दुरूस्तीकरण कराये जाने के पश्चात ही भुगतान किया जाये। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा जिले में स्वीकृत सडकों के साथ ही अन्य विभागीय भवन निर्माण के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में श्री जाटव ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य सरकार द्वारा आमजन की सुविधाओं एवं क्षेत्र के विकास के लिये की गई बजट घोषणाओं को धरातल पर लाने में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित जनप्रतिनिधियों के साथ जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समन्वय कर समस्याओं का निस्तारण कराकर कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें।

बैठक में जिला कलक्टर लोकबंधु ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बैठक में सार्वजनिक निर्माण मंत्री द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें साथ ही बजट घोषणाओं के संबंध में आ रही समस्याओं के निराकरण के संबंध में संबंधित प्रशासनिक अधिकारी के समन्वय से जिला प्रशासन को अवगत करायें।

सार समाचार

बारिश के पानी से घिरा विद्यालय, विद्यार्थी परेशान

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप ब्लॉक की ग्राम पंचायत खीरवा के राजस्व गांव सिंधीपुरा में संचालित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को इन दिनों विद्यालय में प्रवेश करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। पूर्व वार्डपंच भाई खान, समाजसेवी याकूब खान ने बताया कि विद्यालय के चारों तरफ बारिश का पानी एकत्र हो गया है। इस वजह से विद्यार्थियों को विद्यालय में आने जाने के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस विद्यालय की चारदीवारी भी क्षतिग्रस्त हो रखी है। इस वजह से बारिश का पानी विद्यालय के चारों तरफ एकत्र हो जाता है। पूर्व वार्डपंच ने बताया कि यदि चारदीवारी का निर्माण करवा दिया जाए तो विद्यालय के आसपास एकत्र हो रहे बारिश के पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा।

प्रतियोगिता में लेंगे भाग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

जोधपुर मे आज आयोजित होने वाली जिला स्तीय कराटे प्रतियोगिता में केवी एंजल स्कूल बाप के विद्यार्थी भाग लेंगे। विद्यालय संचालक सुरेश गोदारा व पवन गोदारा ने बताया कि खेल और सांस्कृतिक विकास संस्थान आदर्श नगर फलोदी के तत्वाधान मे फलोदी व बाप के कुल 21 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। केवी एंजल स्कूल बाप के विद्यार्थी ज्योति गोदारा, प्रियंका, भवानी सिंह, कालु सिंह इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। गोदारा ने बताया की ये सभी खिलाड़ी पिछले लम्बे समय से अभ्यास कर रहे है।

वार्षिक अधिवेशन हुआ आयोजित

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ बाप का वार्षिक अधिवेशन पंचायत समिति सभागार में आयोजित हुआ। इसमें पूरे वर्ष भर में किए जाने वाले लेखें-जोखे का ब्यौरा दिया गया। स्थानीय संघ बाप के सचिव भागीरथ बिश्नोंई ने बताया की राज्य पुरष्कार प्राप्त स्काउट 70, गाइड 20, तृतीय सोपान स्काउट 76, गाइड 30 ने प्राप्त किया। इस अवसर पर बाप सीबीईओ मनफुल सिंह ने बताया कि स्काउट की सभी गतिविधियो में विद्यार्थियों को बढ़चढ़ के भाग लेना चाहिए। अधिवेशन में स्थानीय संघ बाप के अध्यक्ष मोहनराम सारण, संरक्षक पूर्व प्रधान मगसिंह भाटी, केवीएसएस अध्यक्ष हज़ारीराम नेवा, कानासिंह की सीड सरपंच प्रतिनिधि कृष्णपाल सिंह भाटी, रोहिताश थोरी सहित बाप उपखण्ड क्षेत्र के सभी पीईईओ सहित 25 स्काउटर व गाइडर ने भाग लिया।

मिट्टी डालकर आम रास्ता किया अवरुद्ध

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

कस्बे के मालियों का बास में आम रास्ते पर मिट्टी डालकर आवागमन बाधित कर दिया गया है। इसे लेकर वार्ड पार्षद हरखूदेवी माली, सीताराम माली, शांतिलाल माली, दलीचंद सोलंकी, खेताराम माली, छगनलाल, श्याम, कालू माली मैं उपखंड अधिकारी बाप को पत्र देकर बताया कि मालियों का बास में आम रास्ते पर मूलचंद व मानकलाल पालीवाल ने मिट्टी डालकर रास्ता बंद कर दिया है। इस वजह से आमजन को आवागमन में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय बारिश का मौसम होने के कारण वार्ड वासियों को ज्यादा परेशानी हो रही है। पत्र में आम रास्ते पर डाली गई मिट्टी को शीघ्र हटवाकर आवागमन सुगम करवाने की मांग की गई है।

गांधी राजस्थान में क्यों नहीं आती है इसको लेकर विरोध प्रदर्शन किया

भरतपुर से दर्जनों भाजपा नेत्री ग्वालियर में प्रियंका गांधी से मिलने पहुंची

कहा की यहां पर खुलेआम लूटमार मचा रखी है और महिलाओं के साथ हो रहे बलात्कार

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, राजस्थान से जाकर भरतपुर की महिलाओं ने ग्वालियर में जाकर वहां की भीड़ में चुपचाप जाकर खड़ी हो गई और जैसे ही प्रियंका गांधी, वाड्रा की गाड़ी आई तो भाजपा की नेत्री रीतू बनावत,डॉ0 सुधासिंह, श्रीमती पदमा सिंह पूर्व जिला उपाध्यक्ष संगठन के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने घेराव करके प्रदर्शन किया और पर्चे फेंके, और उन्होंने कहा कि जहां भाजपा की सरकार नहीं है मां तो प्रियंका गांधी कहती हैं लड़की लड़ सकती है और राजस्थान में वह चुप्पी साध लेती है भाजपा नेताओं ने कहा कि क्या राजस्थान में लड़की नहीं लड़ सकती है यह दोगलापन क्यों है, राजस्थान में कांग्रेस राज में लूटमार मचा रखी है और महिलाओं के साथ दुराचार हो रहे हैं । प्रियंका गांधी इस मांजरे को समझ नही सकी और जिस कार्यक्रम के लिए ग्वालियर आई थी वापस लौट गई ।राजस्थान की महिलाओं और भाजपा की वरिष्ठ नेत्रीयों ने राजस्थान में हो रहे महिला अत्याचार, बलात्कार, की घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा और श्रीमती पदमा सिंह ने प्रियंका गांधी को तो राजस्थान से चुनाव तक लड़ने के लिए चुनौती दे डाली ।

पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की सराहनीय पहल

ट्रैफिक पुलिस का दर्द समझ उपलब्ध कराए रैन कोट

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) चौराहों पर खड़े होकर कर्तव्य निष्ठा के साथ मौसम की परवाह किए बिना अपनी ड्यूटी निभाने वाले, भरतपुर के ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने दर्द समझा और बरसात के मौसम में ड्यूटी निभाने के दौरान, बरसात के पानी से बचने के लिए रेनकोट मुहैय्या कराए। पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह की पहल पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में चौराहों पर खड़े होकर ट्रैफिक को कंट्रोल करने के कार्य में लगने वाले ट्रैफिक के करीब 80 पुलिसकर्मियों को आज, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के नेतृत्व में रेनकोट वितरित किए गए। रेनकोट पाकर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के भी खुशी से चेहरे चमक उठे और उनका कहना था कि, बरसात के मौसम में ड्यूटी करते समय उनकी वर्दी भीग जाती थी और वह परेशान होते थे। लेकिन उनके इस दर्द को पर्यटन मंत्री ने समझा और उन्हें रेनकोट उपलब्ध कराए। इस दौरान एसपी मृदुल कच्छावा ने कहा कि मानसून के दौरान ड्यूटी करने के लिए पुलिस कर्मियों के लिए रेनकोट की मूलभूत आवश्यकता होती है। रेनी सीजन में ड्यूटी करते समय पुलिसकर्मी रेनकोट पहन कर कार्य करेंगे तो उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। इस मौके पर पुलिस उपाधीक्षक नगेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज एवं पुलिस अधीक्षक जिला धौलपुर मनोज कुमार आईपीएस के दिशा निर्देशन में

चमकता राजस्थान

धौलपुर (ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बाड़ी सदर थाना क्षेत्र में वृत्ताधिकारी वृत्त बाडी सुरेश कुमार डाबरीया आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थाना क्षेत्र में चलाये गये ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत अवैध गतिविधियों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के दौरान आज दिनांक 22.07.2023 को थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये कुल 07 आरोपियों 1. राकेश पुत्र रतराम जाति गुर्जर उम्र 26 साल निवासी रहे थाना बाड़ी सदर जिला धौलपुर 2 नाम हरकेश पुत्र रतीराम जाति गुर्जर उम्र 23 साल निवासी रहे थाना बाडी सदर जिला धौलपुर 3., सत्येंद्र पुत्र शंकर लाल जाति मीना उम्र 25 साल निवासी उमरेह थाना बाडी सदर जिला धौलपुर 4. दशरथ सिंह पुत्र रामदयाल जाति मोगीया उम्र 32 साल निवासी लाख का पुरा (कुनकुटा) थाना बसेडी जिला धौलपुर 5. अमरसिंह पुत्र हरफूल जाति मोगीया उम्र 26 साल निवासी कुदिन्ना थाना सोने का गुर्जा जिला धौलपुर 6. कप्तान पुत्र धवल जाति मोगीया उम्र 27 साल निवासी छत्तोली पुरा थाना अरेला बसई जिला आगरा उ0प्र0 7. बन्टू पुत्र धवल जाति मोगीया उम्र 23 साल निवासी छत्तोलीपुरा थाना अरेला बसई जिला आगरा उ0प्र0 को धारा 107/151 जा0 फौ0 में गिरफ्तार किया जाकर पाबन्द कराया गया। भविष्य में भी अभियान रहेगा जारी ।

आगरा मंडल में मोबाइल वीडियो वैन के साथ -साथ मौखिक संवाद से मंडल के विभिन्न स्टेशनों, समापर फाटकों पर चलाया जा रहा संरक्षा जन जागरूकता अभियान

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) आगरा मंडल में प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, प्रयागराज एवं मंडल रेल प्रबंधक, आगरा के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी आगरा के देखभाल में संरक्षा विभाग आगरा द्वारा दिनांक 01.07.2023 से 03.07.2023 तक एवं 17.07.2023 से 23.07.2023 तक मोबाइल वीडियो वैन के साथ साथ मौखिक संवाद से मंडल के विभिन्न स्टेशनों, समापर फाटकों, स्कूलों, बस स्टॉप, गांव एवं पब्लिक लोकेशनों पर छात्रों और पब्लिक को संरक्षा सलाहकार आगरा द्वारा ट्रेन की छत एवं पायदान पर बैठकर यात्रा नहीं करना, रेलवे फाटक बंद होने पर बूम के नीचे या अन्य खुला स्थान से रेलवे लाइन को क्रॉस नहीं करना, रेलवे लाइन पर करते समय मोबाइल फोन/ईयर फोन का उपयोग नहीं करना, मवेशी को रेल लाइन या रेल परिसर में नहीं ले जाना से संबंधित विषयों पर वीडियो एवं मौखिक रूप से जागरूक और काउंसिल किया गया। उक्त मोबाइल वीडियो जन जागरूकता प्रोग्राम के अंतर्गत दिनांक 21.07.2023 को संरक्षा सलाहकार/टी.आर. डी. अरविन्द कुमार बघेल द्वारा पब्लिक प्लेस के अलावा एम. जी.सीनियर सेकेंड्री स्कूल, अल्हैपुर एवं दिनांक 22.07.2023 शनिवार को संरक्षा सलाहकार/ट्रैफिक विवेकानन्द द्वारा पब्लिक प्लेस के अलावा राजकीय कन्या प्राथमिक व सेकेंड्री पाठशाला, बंचारी में वर्णित विषयों पर जागरूकता अभियान किया गया।

शिक्षकों के लिए छह दिवसीय गैर आवासीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण

चमकता राजस्थान. धौलपुर(रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बिजौली में नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की समझ विकसित करने एवं बच्चों में दक्षताओं के विकास के लिए गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा देने पर जोर दिया जा रहा है तथा शिक्षकों को इसके लिए प्रशिक्षित करने का काम किया जा रहा है। बाड़ी ब्लाक के अंतर्गत 17 जुलाई से 22 जुलाई के मध्य ग्रामीण उद्यम शाला बिजौली में 184 शिक्षकों का 4 बैचों में एफ एल एन आधारित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिक्षक प्रशिक्षण का समापन समारोह 22 जुलाई को ब्लॉक शिक्षा विभाग के आरपी एवं शिविर प्रभारी सुरेश भारद्वाज की अध्यक्षता एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दाऊ दयाल शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों ने जिन नवीन विधाओं का प्रशिक्षण लिया है।

विशाल निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर बसेडी में आयोजित

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर के बसेड़ी विधानसभा क्षेत्र में आज दिनांक 22 जुलाई 2023 शनिवार को सेंगर गार्डन बसेड़ी में विशाल निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन द्वारिका प्रसाद मौर्य द्वारा किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्रवण कुमार वर्मा जिला अध्यक्ष भाजपा धौलपुर द्वारा की गई। एवं विशेष अतिथि ज्ञानदेव आहूजा पूर्व विधायक अलवर, राजीव रस्तोगी पूर्व नगरपरिषद चेयरमेन धौलपुर, डॉ. राम स्वरूप मीना पूर्व चिकित्सा अधिकारी रहे ,इस शिविर का शुभारंभ संयोजक द्वारिका प्रसाद मौर्य के द्वारा विशिष्ट अतिथियों का साफा एवं पुष्प माला पहनाकर साथ में स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया।तथा साथ ही सभी मरीजो को भी फूल माला पहनाई गयी।कार्यक्रम के मौके पर मंडल अध्यक्ष भैरो सिंह, भानु प्रताप पूर्व जिला परिषद सदस्य, सुरेश शर्मा सांगोरी, महेंद्र सिंह कोली, सुरेश बाबा पूर्व मंडल अध्यक्ष सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी जयपुर से आई हुई चिकिस्को कि टीम का स्वागत सम्मान किया।

पिता की पुण्यतिथि पर पौधरोपण कर विद्यार्थियों को किए फल वितरित

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

करणी सेना फलोदी विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह भाटी सिडा द्वारा शनिवार को अपने पिता शैतानसिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर पौधरोपण किया गया। भाटी ने बताया कि एसएस मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा राजकीय विद्यालय गुड़ा, कल्याणसिंह की सिडा, संस्कृत विद्यालय व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालमसिंह की सिड में विभिन्न किस्म के पौधों का रोपण किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को फल भी वितरित किए गए। इस मौके गोविंद सिंह भाटी, चंद्रसिंह सिडा, लक्ष्मण सिंह चौहान, उम्मेदसिंह चौहान, भगवानाराम खिलेरी, मनोहर राम पुनिया, पूनमचंद थोरी, किसनाराम डारा, खीयाराम थोरी, शुभकरण, भंवरसिंह, राजू सिंह आदि उपस्थित थे।

बीए प्रथम वर्ष की वरीयता सूची का हुआ प्रकाशन

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

राजकीय महाविद्यालय बाप में बीए प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने हेतु अंतिम वरीयता सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। प्रवेश प्रभारी सहायक आचार्य सुरेंद्र कुमार जांदू ने बताया की अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन व ई मित्र पर शुल्क जमा करवाने की अंतिम तिथि 26 जुलाई 2023 है।तत्पश्चात प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची का प्रकाशन 28 जुलाई शुक्रवार को किया जाएगा। एक अगस्त से अध्यापन कार्य शुरू हो जाएगा।

रा उ प्रा विद्यालय सीता में अभिभावक शिक्षक परिषद पीटीए की बैठक का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) में रविवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सीता मे राज्य सरकार के निर्देशानुसार अभिभावक शिक्षक परिषद पीटीए बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसमें प्रार्थना सभा से लेकर नव प्रवेशित बच्चों का शैक्षिक सत्र में गुणात्मक उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों का मनोबल बढ़ाया अभिभावकों के समक्ष कार्य प्रस्तुत किया गया इसके बाद विद्यालय में वृक्षारोपण बच्चों के विद्यालय की पोशाक में आने हेतु बल दिया व शैक्षिक एवं भौतिक विकास हेतु अब आप कौन से चर्चा की तथा बच्चों को विद्यालय नियमित भेजने एवं उसके साथ साथ उनके गृह कार्य एवं पढ़ाई स्तर को जांचने हेतु बल दिया गया जिसमें अभिभावकों ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए तथा सभी अध्यापकों ने अब समस्याओं के सकारात्मक सुझाव एवं प्रणाम देने का आश्वासन एव क्रियान्वित करने को कहा अंत में संस्था प्रधान विजय सिंह गुर्जर द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया तथा आगामी पीटीए बैठक मैं उपस्थित होने हेतु आग्रह किया कार्यक्रम का संचालन राम सिंह गुर्जर अध्यापक द्वारा किया गया।

बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव ने शुक्रवार को की आमजन से मुलाकात

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव शुक्रवार को क्षेत्रीय दौरे पर आमजन से मुलाकात करने गये और क्षेत्र में लोगों से मुलाकात की मोहारी में राजाराम जाटव के यहां भाई की मृत्यु हो जाने शोक में संवेदना व्यक्त की, धर्मपुरा, रामपुर, भवनपुरा, जटपुरा, अंगद का पुरा,नवलूपुरा,कल्लूपुरा, सलेमपुर, भागीरथ का पुरा,बसेड़ी,पिपरौन,हरजूपुरा,दरवेशा नगला,अंतापुरा ,कोटरा, सहित के यहां लोगों से चर्चा की, इसी के साथ अन्य गांवों का दौरा किया इस दौरान बसेड़ी विधानसभा संभावित प्रत्याशी होतम सिंह जाटव, बाड़ी नगर पालिका के वाइस चेयरमैन अहमद जमा खा, वरिष्ठ पार्षद ओमवीर सिंह चौधरी,विनोद शर्मा मुकेश कोली, सुरजीत गुर्जर, ताराचंद,सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)